॥ वन्देमातरम् ॥

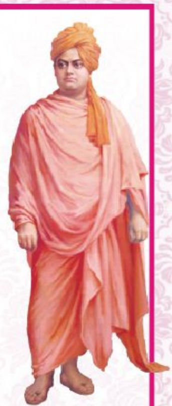

संस्कार

सहयोग सेवा

सम्पर्क समर्पण

भारत विकास परिषद्
तमसो मा ज्योतिर्गमय
स्था. 1963
Reg. No. S-2272

भारत विकास परिषद्

राजस्थान (मध्य) प्रान्त

वर्ष 2021-22

का मुख पत्र

अंक अप्रैल-जून

नई दिशा

स्वच्छ - स्वस्थ - समर्थ - संस्कारित भारत

अध्यक्षीय लेखनी

गुरु गोविन्द दोउ खड़े, काके लागु पाय।
बलिहारी गुरु आपणे, गोविन्द लियो बताय॥

आदरणीय बन्धुओं,

परिषद् स्थापना दिवस एवं गुरु पूर्णिमा की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। वैसे तो प्रतिवर्ष स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रम शाखाओं द्वारा आयोजित किये जाते रहे हैं लेकिन इस दिवस को ओर यादगार बनाने हेतु शाखाएं सेवा एवं संस्कार के नए कार्यक्रम करेगी एवं शिष्य का गुरु के प्रति सम्मान स्वरूप यह दिन आप सभी के लिए मंगलमय हो ऐसी शुभेच्छा।

आशा करता हूँ कि सत्र 2021-22 के लिए प्रांतीय अध्यक्ष के दायित्व निर्वहन में आप सभी का सहयोग एवं समर्थन मिलेगा। इस वर्ष की प्रांतीय परिषद सभा में सत्र 2021-22 के लिए चुने गए दायित्वधारियों, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्यों एवं शाखा दायित्वधारियों का मैं स्वागत करता हूं और आशा करता हूं कि आने वाले वर्षों में आपके कुशल नेतृत्व एवं समर्पित सकारात्मक सहयोग से राजस्थान मध्य प्रांत श्रेष्ठ आदर्श प्रांत से सर्वश्रेष्ठ आदर्श प्रान्त बनेगा।

आशा है कि केंद्र एवं रीजन के मार्गदर्शन में यह सकारात्मक गति आने वाले वर्षों में भी निरंतर जारी रहेगी।

पारसमल बोहरा
प्रान्तीय उपाध्यक्ष
9414111590

विकास रत्न

नव संवत्सर के इस पावन पर्व पर प्रांतीय समन्वयक व बिजयनगर शाखा के सदस्य **श्री रतन लाल जी नाहर एवं श्रीमती किरण जी नाहर** द्वारा विकास रत्न हेतु रू. 1,00,000/- सहयोग राशि केंद्रीय कार्यालय को प्रेषित की।

राजस्थान मध्य प्रांत में श्री रतनलाल जी नाहर सहित अब तक कुल 6 विकास रत्न और 159 विकास मित्र बने हैं।

केन्द्र द्वारा विकास रत्न हेतु सहयोग राशि रू. 1,00,000/- एवं विकास मित्र के लिए रू. 11,000/- की राशि निर्धारित है। इस सहयोग राशि से केंद्र द्वारा एक कॉरपस फंड बनाया गया है जिसका उपयोग प्राकृतिक आपदाओं अथवा विपरीत परिस्थितियों में सेवा कार्य के लिए किया जाता है।

महासचिव की कलम से ....

10 जुलाई परिषद् स्थापना दिवस एवं गुरू पूर्णिमा की आप सभी सदस्य बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

परिषद् की संकल्पना 12 जनवरी 1963 को स्वामी विवेकानंद की जयंती के दिन हुई व पंजीयन प्रमाण पत्र 10 जुलाई 1963 को मिला और उसी दिन को परिषद् के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। स्थापना दिवस पर शाखाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की समरूपता हेतु इस वर्ष से प्रतिभा दर्पण (सम्मान समारोह) कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है और सभी शाखाओं से अपेक्षा है कि अपने-अपने कार्यक्षेत्र में इस कार्यक्रम का आयोजन अवश्य करें।

कोरोना संक्रमण के दूसरे दौर ने यह साबित कर दिया कि स्वास्थ्य से बड़ा कोई धन नहीं है। दूसरी लहर के कहर में हमने अपने कई सदस्यों एवं परिवारजनों को खोया, हृदय की असीम गहराइयों से नमन करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। इसे बुरा वक्त जरूर कह सकते हैं, लेकिन यह वक्त हमें आने वाले समय के लिए बहुत सजग, सतर्क और सबल बनाने की सीख भी दे रहा है। हमारी पुरानी संस्कृति, सभ्यता और जीवन शैली हमें फिर याद आ रही है, जिसका मकसद व्यक्ति को निरोग और प्रसन्न बनाए रखना था। जून माह के अंत तक दूसरी लहर का आतंक कम जरूर हुआ, लेकिन तीसरी लहर की शंकाओं ने जिंदगी को कसमसा रखा है। वर्तमान परिपेक्ष में आवश्यकता है कि समाज के हर स्तर पर स्वास्थ्य रक्षा और मनोबल बढ़ाने वाले प्रकल्पों को खड़ा किया जाए। इस महामारी से बचने का एकमात्र उपाय है वैक्सीनेशन। हमें यह देखना है कि परिषद् के प्रत्येक सदस्य का वैक्सीनेशन हो और हम प्रयास करें कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति एवं वर्ग को वैक्सीनेशन हेतु प्रेरित कर प्रशासन के साथ मिलकर वैक्सीनेशन में यथासंभव सहयोग करें। मनोबल बढ़ाने के अलग-अलग आयाम हो सकते हैं जैसे योग और व्यायाम, खान-पान, रहन-सहन, परंपराएं, जीवन शैली, सांस्कृतिक कलाएं, हास्य और मनोरंजन आदि। जब सामूहिक रूप से हम ऐसे प्रकल्प चलाएंगे तो यह एकाकीपन टूटेगा और तब स्वस्थ मन, स्वस्थ शरीर और स्वस्थ समाज की रचना हो पाएगी। जिंदगी हमेशा चलती रहती है। जीवन में यदि कोई चीज स्थिर है तो वह है बदलाव। जिंदगी का हर एक पल बदलता रहता है। नकारात्मक परिस्थिति भविष्य के लिये सकारात्मकता के बीज बोये रखती है। इस बुरे वक्त ने ही संजीवनी प्रकल्प का बीज बोया और अपने सदस्यों व परिवार के साथ सदैव खड़े रहने का एहसास दिलाया।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए अनुमान है कि इस वर्ष भी संस्कार प्रकल्प गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन, एकलगान प्रतियोगिता, और भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन प्रांतीय मोबाइल एप्लीकेशन व वर्चुअल माध्यम से ही किया जाएगा। आशा है कि भविष्य में परिस्थितियों में सुधार होने एवं केंद्रीय निर्देशानुसार निश्चय ही हम अपने संस्कार निर्माण के कार्यों को पुनः उसी स्वरूप में कर पाएंगे। मुझे विश्वास है कि केंद्रीय मार्गदर्शन के साथ तकनीकी नवाचार करते हुए हम सभी प्रकल्पों को पुरा करेंगे। आप सभी कार्यकर्ताओं की श्रेष्ठ क्षमता का आंकलन इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्तमान परिपेक्ष में भी प्रांत की शाखाओं द्वारा सेवा व संस्कार के कार्य बहुत सुंदर ढंग से किए जा रहे हैं और सदस्यता नवीनीकरण के क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग करते हुए सदस्यता संख्या 30 जून 2021 तक 2343 के साथ ही इस वर्ष का प्रथम लक्ष्य प्रांत द्वारा पूरा किया गया। आप सभी से सदैव इसी तरह के समर्पित सहयोग की अपेक्षा के साथ सत्र 2021-22 प्रथम तिमाही नई दिशा का अंक प्रेषित है-

कई जीत बाकी है कई जश्न बाकी है, अभी तो जिंदगी का सार बाकी है।
यहां से चले हैं नई मंजिल के लिए,
यह तो एक पन्ना था अभी तो पुरी किताब बाकी है॥

सीए संदीप बाल्दी
प्रान्तीय महासचिव
9829851444

प्रान्तीय परिषद् बैठक

भारत विकास परिषद् राजस्थान मध्य प्रान्त की 17 अप्रैल 2021 को प्रांतीय परिषद् की वर्चुअल बैठक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं रीजनल अध्यक्ष डी.डी. शर्मा जी की अध्यक्षता, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री त्रिभुवन जी शर्मा, राष्ट्रीय संपर्क प्रोजेक्ट सचिव मालचंद जी गर्ग, राष्ट्रीय मंत्री मुकन सिंह जी राठौड़, राष्ट्रीय संस्कार प्रोजेक्ट सचिव बलराज जी आचार्य, राष्ट्रीय सेवा प्रोजेक्ट सदस्य कमल किशोर जी व्यास, रीजनल मंत्री दिनेश जी कोगटा, नृत्य गोपाल जी मित्तल, विनोद जी आढ़ा, प्रमिला जी गहलोत के सानिध्य में आयोजित हुई।

प्रांतीय महासचिव सीए संदीप जी बाल्दी ने बैठक का संचालन किया। बैठक वन्देमातरम् गायन के साथ प्रारंभ हुई, प्रांतीय महासचिव ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से सत्र 2021-22 की प्रांतीय कार्यकारिणी का परिचय कराया। अजमेर जिला सचिव आलोक जी गुप्ता ने अजमेर जिले की सभी शाखाओं, भीलवाड़ा जिला सचिव मुकेश जी लाठी ने भीलवाड़ा जिले की सभी शाखाओं और राजसमंद जिला अध्यक्ष दिनेश जी मित्तल ने राजसमंद की सभी शाखाओं के दायित्वधारियों का परिचय कराया।

बैठक में राजस्थान मध्य प्रांत के 2020-21 के वित्तीय लेखों का अनुमोदन किया गया। प्रांतीय संयोजक किशोर जी राजपाल ने नव संवत्सर के कार्यक्रमों की जानकारी सदन के समक्ष रखी। प्रांतीय वित्त सचिव श्री गोविन्द जी अग्रवाल ने 2021-22 का बजट प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय मंत्री श्री मुकन सिंह जी राठौड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब कोई दायित्व की शपथ लेता है तो वह उसे नि:स्वार्थ भाव से पूरा करे। परिषद् के सदस्यों एवं अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष में जीवंत संपर्क रहना चाहिये। विवेकानंद भीलवाड़ा शाखा के अध्यक्ष रजनीकांत जी ने बताया कि रामनवमी से भीलवाड़ा में रियायती दर पर फिजियोथैरेपी सेंटर का संचालन भारत विकास परिषद् द्वारा भारत विकास परिषद् भवन शास्त्री नगर में किया जाएगा।

राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव डॉ त्रिभुवन जी शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहानी के माध्यम से बताया कि भारत विकास परिषद् का एक वट वृक्ष के समान महत्व है और हम सभी कार्यकर्ता सेवा और संस्कार के भाव से कार्य करते हुए वट वृक्ष को और मजबूत करें। प्रांतीय अध्यक्ष पारस जी बोहरा ने परिषद् में नयी शाखाओं को खोलने की जिमेदारी संगठन मंत्री पवन जी बांगड़ को दी और सभी शाखा के दायित्वधारियों से निवेदन किया कि वर्तमान परिपेक्ष में सेवा कार्यों को विशेष महत्त्व दें। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व रीजनल चेयरमैन डी डी शर्माजी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में राजस्थान मध्य प्रांत के कार्यक्रमों की सराहना करते हुए प्रांत को देश का सर्वश्रेष्ठ प्रांत बताया और सभी सदस्यों से जीवंत संपर्क बनाते हुए सेवा कार्य में लगे रहने का आग्रह किया। अंत में प्रतिभा जी कोठारी के राष्ट्रगान गायन के साथ बैठक संपन्न हुई।

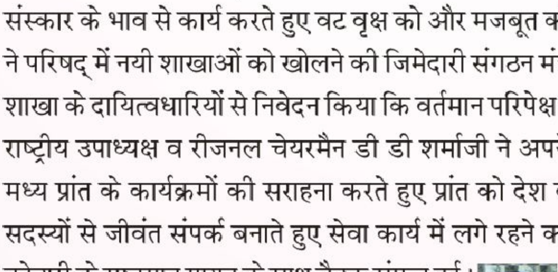

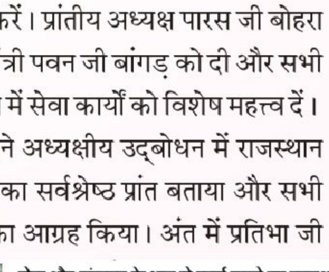
सेवा और संस्कार के भाव से कार्य करते हुए वटवृक्ष को और मजबूत करें: डॉ त्रिभुवन शर्मा

भारत विकास परिषद राजस्थान मध्य प्रांतीय परिषद की वर्चुअल बैठक सम्पन्न

भीलवाड़ा जिले की संपर्क बैठक

29 अप्रैल 2021 को भीलवाड़ा जिले की प्रथम संपर्क बैठक जूम एप्लीकेशन पर राष्ट्रीय मंत्री मुकन सिंह जी राठौड़ की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष पारसमल जी बोहरा एवं प्रांतीय महासचिव संदीप जी बाल्दी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक में प्रांतीय संयोजक बंधुवर शाखा प्रभारी एवं भीलवाड़ा जिले की सभी शाखाओं के दायित्वधारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत दीप प्रज्वलन कर की गई। सुभाष शाखा सचिव श्रीमती शारदा जी ने वंदेमातरम् गायन किया। भीलवाड़ा जिले के शाखा सचिवों ने अपनी शाखा की रिपोर्ट में शाखा का इस वर्ष का सदस्यता लक्ष्य, प्रांत को प्रेषित शुल्क, शाखा की एओपी व पैन कार्ड की स्थिति, बैलेंस शीट, बैंक में हस्ताक्षर चेंज आदि सभी की जानकारी प्रदान की। प्रांतीय महासचिव ने अपने उद्‌बोधन में सदस्यता एवं संगठन विस्तार की बात रखते हुए कहा कि सर्वप्रथम शाखाएं वर्ष 2019 की सदस्यता के आधार पर सदस्यता नवीनीकरण कर कम से कम वर्ष 2019 की सदस्यता में 15 प्रतिशत वृद्धि को लक्ष्य बनाकर संपर्क करें। उन्होंने वित्तीय प्रबंध के संदर्भ में बताया कि शाखाएं अपना बिटको फॉर्म व समय पर ऑडिटेड बैलेंस शीट प्रांत को 31 मई तक अनिवार्य रूप से प्रेषित करें व सभी शाखाएं बैंक में अपना अकाउंट खोलें और शाखा बैंक अकाउंट में अपना सदस्यता शुल्क ही जमा करें और कोई राशि जमा नहीं कराएं। महासचिव महोदय ने बताया कि इस वर्ष भीलवाड़ा जिले में 16 शाखाओं से 20 शाखाएं करने का लक्ष्य है, जिसके लिए जिला सचिव व जिला अध्यक्ष प्रयासरत हैं और संगठन मंत्री के मार्गदर्शन में इस लक्ष्य को पूरा करें।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री पारसमल जी बोहरा ने सभी शाखाओं को अपनी सदस्यता वृद्धि व नवीन सदस्यता तथा इस विकट परिस्थितियों में सभी सदस्यों से कैसे संपर्क बनाए रखें इस पर विशेष जोर दिया, साथ ही जिले में प्रताप शाखा, सुभाष शाखा, आजाद शाखा भीलवाड़ा व गंगापुर और अजमेर शाखा द्वारा चलाए जा रहे भोजन पैकेट वितरण की सराहना की और वर्तमान परिपेक्ष में सेवा के कार्यों के लिए सदैव तैयार रहने को कहा। खुले सत्र में प्रांतीय प्रभारी श्री सुमित जी जागेटिया ने प्रस्ताव रखा कि इस समय जो शाखाएं आर्थिक रूप से समृद्ध हैं उन्हें अपने सेवा प्रकल्प के तहत ऑक्सीजन कंसंट्रेटर व सिलेंडर की व्यवस्था कर सेवा का अच्छा उदाहरण देना चाहिए। इस संदर्भ में प्रांतीय अध्यक्ष ने सभी सक्षम शाखाओं से ऑक्सीजन कंसंट्रेटर व सिलेंडर की व्यवस्था करने तथा ऑक्सीमीटर रियायती दर पर उपलब्ध कराने हेतु आग्रह किया।

महिला संपर्क बैठक

राजस्थान मध्य प्रांत की प्रथम महिला संपर्क बैठक राष्ट्रीय मंत्री मुकन सिंह जी राठौड़ की अध्यक्षता में 01 मई 2021 शनिवार को ऑनलाइन आहूत की गई। बैठक में सभी प्रांतीय महिला संयोजिका, शाखा की महिला प्रमुख समेत 31 सदस्याओं की सहभागिता रही। बैठक में रीजनल मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती गुणमाला जी अग्रवाल, प्रान्तीय अध्यक्ष पारस मल जी बोहरा और प्रांतीय महासचिव सीए संदीप जी बाल्दी का भी मार्गदर्शन मिला।

सर्वप्रथम प्रांतीय महिला प्रमुख श्रीमती पूर्णा जी पारीख ने सभी प्रांतीय महिला सदस्यों एवं शाखा महिला प्रमुखों का परिचय दिया। प्रांतीय संयोजिका श्रीमती भारती जी मोदानी ने अभिरुचि शिविर को मई माह में नवाचार के साथ तीन प्रकार से ऑनलाइन आयोजित करने की जानकारी दी। प्रांतीय संयोजिका श्रीमती पार्वती जी कुमावत द्वारा बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम इस विषम परिस्थिति में किस प्रकार आयोजित करें के संदर्भ में कुछ महत्वपूर्ण नवाचार सदन के पटल पर रखे। प्रांतीय संयोजिका श्रीमती रेखा जी जैन ने बताया कि महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के साथ उन्हें आत्म सम्मान से जीने के लिये प्रेरित करें। महिलाओं से संबंधित सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी सदन के समक्ष रखी। परिषद् द्वारा कोविड रोगियों को भोजन दिया जा रहा है वो टिफिन जरूरतमन्द महिलाओं से बनवा कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। रीजनल मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती गुणमाला जी अग्रवाल ने शाखा में महिला प्रमुख की अहम भूमिका की जानकारी दी। महिला प्रमुख शाखा की महिला टीम के साथ कार्य करती है तो संगठन भी आगे बढ़ता है। प्रांतीय महासचिव सीए संदीप जी बाल्दी द्वारा खुले सत्र में महिलाओं की शंका और समस्याओं का समाधान किया गया एवं सुझाव का आदान–प्रदान हुआ। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में शाखा महिला प्रमुख से शाखाओं की महिलाओं के साथ संपर्क बैठक आयोजित करने और प्रत्येक तीन माह में प्रांतीय महिला बैठक आयोजित कर नवाचार के साथ वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम आयोजित करने का मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रान्तीय अध्यक्ष पारस मल जी बोहरा ने अपने मार्गदर्शक उद्‌बोधन में आत्मनिर्भरता और नवाचार के कार्यक्रमों को लेते हुए शाखा महिला प्रमुखों को सक्रिय रहने का आहवान किया। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में राष्ट्रीय मंत्री मुकन सिंह जी राठौड़ ने राजस्थान मध्य प्रांत की महिलाओं द्वारा किए जाने वाले कार्यों की सराहना करते हुए अपने सारगर्भित उद्‌बोधन में महिलाओं को परिषद् की रीति नीति के अनुसार कार्य करने, आपसी प्रेम व संपर्क बढ़ाने और सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने की सीख दी। उन्होंने महाभारत के प्रसंग को आधार बनाते हुए बच्चों में संस्कार निर्माण की बात रखी। प्रांतीय प्रभारी श्रीमती कमलेश जी बंट ने सभी का आभार व्यक्त किया व राष्ट्रगान के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक का कुशल संचालन प्रांतीय महिला प्रमुख श्रीमती पूर्णा जी पारीक द्वारा किया गया।

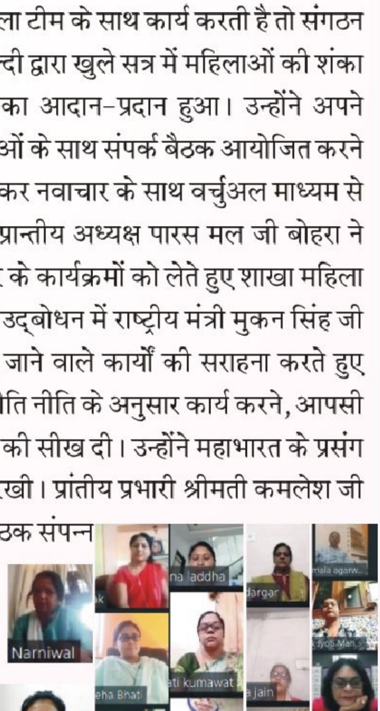

अजमेर जिले की प्रकल्प बैठक

10 मई 2021 को अजमेर जिले की प्रथम संपर्क बैठक जूम एप्लीकेशन पर राष्ट्रीय मंत्री श्री मुकन सिंह जी राठौड़ की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष श्री पारसमल जी बोहरा एवं प्रांतीय महासचिव सीए संदीप जी बाल्दी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक में प्रांतीय संयोजक बंधुवर शाखा प्रभारी एवं अजमेर जिले की सभी शाखाओं के दायित्वधारी उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत दीप प्रज्वलन कर की गई। अजमेर जिले के शाखा सचिवों ने अपनी रिपोर्ट में शाखा का इस वर्ष का सदस्यता लक्ष्य, प्रांत को प्रेषित शुल्क, एओपी व पैन कार्ड की स्थिति, बैलेंस शीट, बैंक में हस्ताक्षर चेंज आदि सभी की जानकारी प्रदान की।

प्रांतीय महासचिव ने अपने उद्‌बोधन में सदस्यता एवं संगठन विस्तार की बात रखते हुए कहा कि सर्वप्रथम शाखाएं वर्ष 2019 की सदस्यता के आधार पर सदस्यता नवीनीकरण कर कम से कम वर्ष 2019 की सदस्यता में 15 प्रतिशत वृद्धि को लक्ष्य बनाकर संपर्क करें। उन्होंने वित्तीय प्रबंध के संदर्भ में बताया कि शाखाएं अपना बिटको फॉर्म व समय पर ऑडिटेड बैलेंस शीट प्रांत को 31 मई तक अनिवार्य रूप से प्रेषित करें व सभी शाखाएं बैंक में अपना अकाउंट खोलें और शाखा बैंक अकाउंट में अपना सदस्यता शुल्क ही जमा करें और कोई राशि जमा नहीं कराएं। महासचिव महोदय ने बताया कि अजमेर जिले की शाखाओं से 09.05.2021 तक 627 सदस्यों का शुल्क प्राप्त हुआ व इस वर्ष जिले में 18 शाखाओं से 20 शाखाएं व सदस्य संख्या 1200 करने का लक्ष्य है, जिसके लिए जिला सचिव व जिला अध्यक्ष प्रयासरत हैं और संगठन मंत्री के मार्गदर्शन में इस लक्ष्य को पूरा करें। अंत में राष्ट्रगान के साथ मीटिंग का समापन हुआ। बैठक संचालन जिला सचिव श्री आलोक जी गुप्ता ने किया।

प्रकल्प कार्यशाला

प्रकल्प बैठक का आयोजन ऑनलाइन जूम एप्लीकेशन के माध्यम से 12 मई 2021 प्रात: 11बजे राष्ट्रीय मंत्री मुकन सिंह जी राठौड़ की अध्यक्षता में किया गया। पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से युवा एवं बाल संस्कार प्रांतीय संयोजक श्री अमित जी सोनी ने सदन के समक्ष युवा एवं बाल संस्कार पखवाड़े के आयोजन की संरचना रखी। उन्होंने बताया कि राजस्थान मध्य प्रांत की मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से 21 मई से 4 जून तक 15 दिवसीय युवा एवं बाल संस्कार पखवाड़े का आयोजन किया जाएगा। प्रांतीय सह–महिला प्रमुख एवं अभिरुचि शिविर संयोजिका श्रीमती भारती मोदानी ने ऑनलाइन अभिरुचि शिविर आयोजन की योजना सदन के समक्ष रखी। बैठक में 96 सदस्यों की सहभागिता रही।

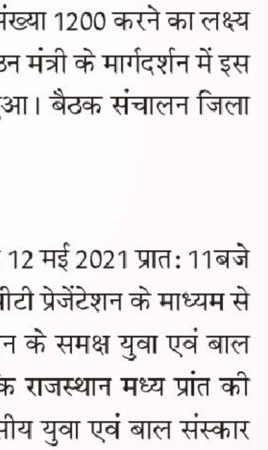

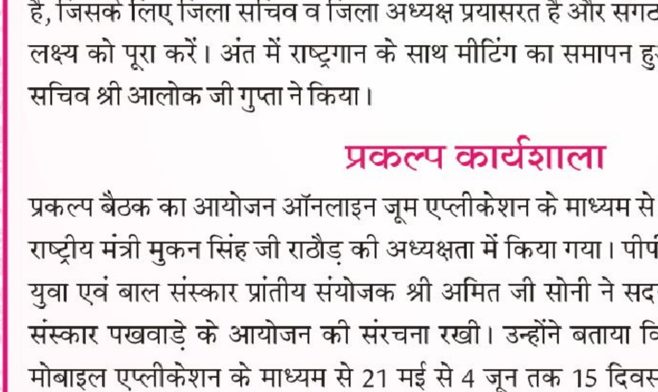

संस्कार कार्यशाला

डॉ सूरज प्रकाश जी की जयंती के शुभ अवसर पर संस्कार कार्यशाला का आयोजन ऑनलाइन 27 जून 2021 को संस्कार प्रोजेक्ट चेयरमेन श्री चन्द्रसेन जी जैन की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री त्रिभुवन जी शर्मा, राष्ट्रीय संपर्क प्रोजेक्ट सचिव मालचंद जी गर्ग, राष्ट्रीय मंत्री मुकन सिंह जी राठौड़, राष्ट्रीय संस्कार प्रोजेक्ट सचिव बलराज जी आचार्य, राष्ट्रीय सेवा प्रोजेक्ट सदस्य कमल किशोर जी व्यास, रीजनल मंत्री दिनेश जी कोगटा, नृत्य गोपाल जी मित्तल, विनोद जी आढ़ा, प्रमिला जी गहलोत सहित 156 सदस्यों की सहभागिता रहीं। संस्कार कार्यशाला में वर्तमान परिपेक्ष में संस्कार प्रकल्पों का वर्चुअल आयोजन हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। गुरुवन्दन –छात्र अभिनन्दन , भारत को जानो प्रतियोगिता, राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता (वर्तमान में एकलगीत प्रतियोगिता) व स्थापना दिवस कार्यक्रम की जानकारी पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रांतीय संयोजक बन्धुओं ने सदन के समक्ष रखी।इस वर्ष से एकल लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है, इस संदर्भ में प्रांतीय संयोजक द्वारा जानकारी प्रदान की गई। परिषद् के स्थापना दिवस पर प्रतिभा दर्पण कार्यक्रम के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों, प्रशासनिक अधिकारी, प्रतिभावान छात्र छात्राओं, कोरोना योद्धा एवं शाखा के सदस्यों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी कार्यशाला में संस्कार उपाध्यक्ष सतीश जी तापड़िया द्वारा प्रदान की गई। प्रांतीय महासचिव ने बताया कि डॉ. सूरज प्रकाश जी की जयंती से परिषद की स्थापना दिवस तक सेवा पखवाड़ा एवं परिषद के स्थापना दिवस से 31 मार्च 2022 तक संपर्क श्रृंखला जैसे नए कार्यक्रमों का आयोजन प्रांत द्वारा किया जा रहा है। डॉ. त्रिभुवन जी शर्मा ने अपने उद्बोधन में संस्कार के महत्व को बताते हुए संस्कार निर्माण में सभी सदस्यों को समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। चंद्र सेन जी जैन ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. सूरज प्रकाश जी के साथ कार्य करने को अपने जीवन का श्रेष्ठ समय बताया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार डॉ. सूरज प्रकाश जी अनुशासन एवं संस्कार निर्माण को महत्व देते हुए राष्ट्र निर्माण के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में प्रांत द्वारा किए जा रहे संस्कार कार्य की प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

संपर्क श्रृंखला कार्यक्रम

कोरोना वैश्विक महामारी ने मानव जीवन के हर क्षेत्र को आघात किया है। सोशल डिस्टेंसिंग के साथ–साथ इस महामारी ने सभी को अपने घरों में कैद कर दिया। ऐसे समय में परिषद सदस्यों से जीवंत संपर्क बनाए रखने और सेवा का भाव जागृत करते हुए सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने के लिए राजस्थान मध्य प्रांत के दायित्वधारियों ने व्हाट्सएप कॉलिंग को माध्यम बनाते हुए प्रत्येक शाखा के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष से वीडियो कॉल पर बात की, उनकी कुशल क्षेम पूछी और यह परंपरा शाखाओं ने भी प्रारंभ की, परिणाम स्वरूप सदस्यों में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। शाखा के दायित्वधारियों से सीधा संपर्क साधने के उद्देश्य से भीलवाड़ा, अजमेर व राजसमन्द जिले में सभी शाखाओं से 'सम्पर्क श्रृंखला' कार्यक्रम के तहत एक वीडियो कॉल मीटिंग हर शाखा के साथ की गई।

नवसंवत्सर

नव संवत्सर के शुभ अवसर पर सभी शाखाओं ने कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। सार्वजनिक स्थलों पर टोलियां बनाकर द्वीप प्रज्वलन, रंगोली एवं रोशनी से सजावट, शोभायात्रा, ऑनलाइन रंगोली, मांडना बनाओ, मंदिर सजाओ एवं दीप प्रज्वलन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

अजयमेरु-शाखा, अजमेर अरावली (युवा), अजमेर मुख्य, नसीराबाद, जालिया द्वितीय, किशनगढ़ मुख्य, किशनगढ़ विवेकानंद, अजमेर आदर्श , बिजयनगर, केकड़ी, ब्यावर, बांदनवाड़ा, रूपनगढ़, अराई , सिंघावल, पुष्कर, भिनाय, चंद्रशेखर आजाद भीलवाड़ा, नेताजी सुभाष शाखा भीलवाड़ा, गंगापुर, बनेड़ा, जहाजपुर, वीर शिवाजी भीलवाड़ा, एक शाखा एक गांव चयनित ग्राम हुरडा व ग्राम आगूचा, माण्डल, फुलिया कला, भोजरास, विवेकानन्द भीलवाड़ा, बदनोर, प्रताप भीलवाड़ा, आसीन्द, शाहपुरा, रायपुर, राजसमन्द, देवगढ़ आदि सभी शाखाओं ने नववर्ष की प्रात: वेला पर नगरवासियों का कुमकुम से तिलक लगाकर अभिनन्दन किया एवं नीम कोपल, मिश्री, कालीमिर्च का प्रसाद बांटकर शुभकामनाएं दी। ढ़ोल नगाड़ों के साथ बाजारों में कोरोना गाईड लाईन की पालना करते हुए रेलियां निकाली, संपूर्ण बाजार की साज-सज्जा की एवं तोरण लगाये गए, मुख्य चौराहों पर सुन्दर रंगोली बनाई गई एवं अपने-अपने घरों में दीप प्रज्वलित किये व सांयकाल में दीपदान किया। कई शाखाओं ने वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी किया। सदस्यों ने कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए नव संवत्सर के शुभ अवसर पर मास्क वितरण कर कोरोना से बचाव का संदेश भी दिया।

नववर्ष पर शोभायात्रा निकाली
नवसंवत्सर पर मौली बांधी, तिलक लगाया
भाविप आजाद शाखा ने किया नवसंवत्सर का पोस्टर विमोचन
भीलवाड़ा। भारत विकास परिषद, शाखा चंद्रशेखर आजाद द्वारा नव विक्रम संवत 2078 के स्वागत पोस्टर का विमोचन मध्य प्रान्त के कार्यालय पर भाविप के प्रांतीय अध्यक्ष पारसमल बोहरा, महासचिव संदीप बाल्दी, रीजनल पदाधिकारी कैलाश अजमेरा, जिला अध्यक्ष शिवम प्रहलादका, जिला सचिव
हिन्दू नववर्ष
हार्दिक शुभकामनायें व मंगलकामनायें
भारत विकास परिषद, राजसमन्द
भारत विकास परिषद्
आपका हार्दिक अभिनन्दन
राम

जिज्ञासा-2021

राजस्थान मध्य प्रांत की प्रांतीय कार्यकारिणी द्वारा 'जिज्ञासा 2021' कार्यक्रम के अंतर्गत 24 अप्रैल से 30 अप्रैल तक परिषद् की जानकारी, सेवा, संस्कार, संपर्क प्रकल्पों की जानकारी और सामान्य ज्ञान व करंट अफेयर्स पर विषयानुसार प्रांतीय संयोजक बंधुओं द्वारा 430 प्रश्नों को कार्यशाला के रूप में पटल पर रखा गया, जिससे परिषद् और परिषद् के प्रकल्पों की महत्वपूर्ण जानकारी शाखा के अंतिम सदस्य तक पहुंचाई जा सकी।

9 मई 2021, रविवार को 'जिज्ञासा 2021 ऑनलाइन प्रतियोगिता' मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कुल 642 पंजीयन हुए और 618 प्रतियोगियों ने प्रतियोगिता में ऑनलाइन भाग लिया। जिज्ञासा 2021 के अंतर्गत प्रांतीय संयोजक बंधुओं द्वारा जो प्रश्न रखे गये थे, उन्हें एक पुस्तक के रूप में प्रेषित किया गया।

जिज्ञासा सप्ताह 24 से 30 तक मनेगा, विजेता होंगे पुरस्कृत

भीलवाड़ा | भारत विकास परिषद राजस्थान मध्य प्रान्त द्वारा 24 से 30 अप्रैल तक जिज्ञासा 2021 सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। प्रांतीय मीडिया प्रभारी महेश जाजू ने बताया कि वर्तमान के भय और नकारात्मकता माहौल को सकारात्मक ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए राजस्थान मध्य प्रांत की प्रांतीय कार्यकारिणी जानकारी सप्ताह- जिज्ञासा 2021 का आयोजन कर रही है। इसका ... को बढ़ाना है। 1 ... एप्लीकेशन के ... प्रतियोगिता की ... सांत्वना पुरस्कार ... कि जिज्ञासा 20... अप्रैल 2021 त... संयोजक, 6 वि... कुल 60 प्रश्न ... जाएंगे। उसके ...

युवा एवं बाल संस्कार पखवाड़ा

भारत विकास परिषद्, राजस्थान मध्य प्रांत द्वारा ''युवा एवं बाल संस्कार पखवाड़े'' का आयोजन 21 मई से 4 जून 2021 तक प्रांतीय संयोजक अमित जी सोनी के नेतृत्व में किया गया। वैश्विक महामारी कोरोना के इस विकट समय में जहां कोई भी कार्यक्रम करना मुश्किल लग रहा था, ऐसे समय में 'संस्कृति, संस्कार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की पाठशाला' के रूप में इस कार्यक्रम का ऑनलाइन आयोजन किया जाना तय किया गया। उपरोक्त पंक्ति को चरितार्थ करने हेतु मंत्रोचार एवं चौपाई, आध्यात्मिक कहानियां, विज्ञान, केरियर काउंसलिंग, सफलता के मूल मंत्र, योगा, खेल, संगीत, सड़क सुरक्षा एवं आत्मरक्षा आदि को मुख्य स्तम्भ मानते हुए विषयों का चयन किया गया। यह कार्यक्रम बाल संस्कार (5 वर्ष से 13 वर्ष तक) 21 मई से 28 मई तक एवं युवा संस्कार (13 वर्ष से 21 वर्ष तक) 28 मई से 4 जून तक 2 वर्गों में आयोजित किया गया। इस पखवाड़े में राजस्थान मध्य प्रांत एवं देश के अन्य राज्यों से बाल संस्कार हेतु 1035 प्रतिभागियों और युवा संस्कार हेतु 1203 प्रतिभागियों सहित कुल 2238 प्रतिभागियों द्वारा पंजीयन करवाये गए। इस कार्यक्रम में 15 विधाओं के कुल 35 वीडियो दिखाए गए। इसके उपरांत प्रतिदिन सांय 6:00 से रात्रि 9:00 बजे तक प्रश्नोत्तरी एवं अगले दिन प्रात: 10:00 बजे तक वीडियो एवं सामान्य टास्क प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

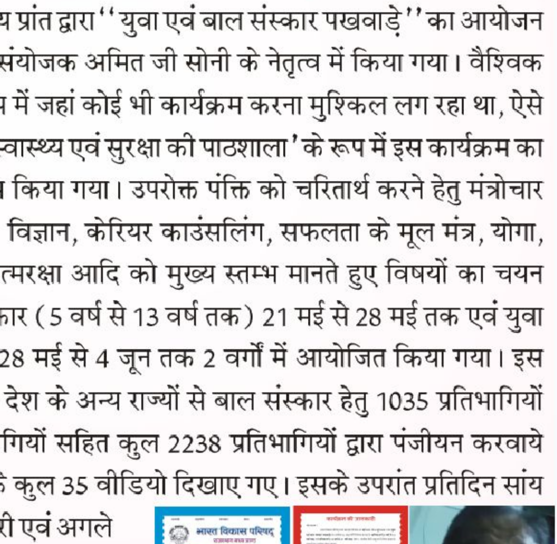

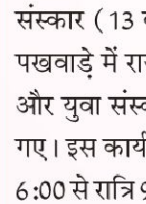

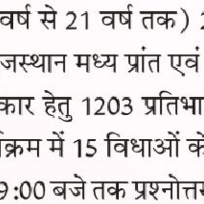
भाविप का युवा एवं बाल संस्कार पखवाड़ा कल से

भीलवाड़ा | भाविप राजस्थान मध्य प्रांत की ओर से 21 मई से 4 जून 2021 तक युवा एवं बाल संस्कार पखवाड़ा मनाया जाएगा। प्रांतीय संयोजक अमित सोनी ने बताया कि विज्ञान, आध्यात्म, योग, स्वास्थ्य, जादू, क्राफ्ट खेलकूद, नेपथ्य के नायक, कैरियर काउंसलिंग एवं सफलता के मूल मंत्र आदि पर आधारित वीडियो बच्चों को भेजे जाएंगे। मीडिया प्रभारी महेश जाजू ने बताया कि उन्हीं वीडियो के आधार पर प्रश्नोत्तरी एवं टास्क होंगे।

ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में दिखाया उत्साह

केकड़ी @ पत्रिका. भारत विकास परिषद राजस्थान मध्य प्रान्त के तत्वावधान में आयोजित युवा एवं बाल संस्कार पखवाड़े के तहत विविध ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अध्यक्ष कैलाशचन्द जैन ने बताया कि 5 से 13 वर्ष आयु वर्ग के लिए 21 से 28 मई तक आयोजित बाल संस्कार शिविर की विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में केकड़ी समेत कई अन्य स्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें केकड़ी के कई प्रतिभागियों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रथम तीन में अपना स्थान बनाया है। क्रॉफ्ट वीडियो टास्क में कल्पेश माहेश्वरी ने द्वितीय, मंत्रोच्चारण चौपाई प्रश्नोत्तरी में दीक्षा मीणा ने तृतीय, चौपाई वीडियो टास्क में आर्या बियानी ने द्वितीय, योग एवं ध्यान वीडियो टास्क में प्रियंका कोठारी ने तृतीय एवं खेलकूद जीवन के अभिन्न अंग विषय पर वीडियो टास्क में ईशा जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जैन ने बताया कि क्रॉफ्ट वीडियो टास्क में 192 प्रतिभागियों, मंत्रोच्चारण चौपाई प्रश्नोत्तरी में 234 प्रतिभागियों, चौपाई वीडियो टास्क में 234 प्रतिभागियों, योग एवं ध्यान वीडियो टास्क में 178 प्रतिभागियों ने एवं खेलकूद जीवन के अभिन्न अंग विषय पर वीडियो टास्क में 205 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि युवा संस्कार शिविर का आयोजन 29 मई से 4 जून तक किया जाएगा। इसमें 13 से 21 वर्ष आयु वर्ग का कोई भी प्रतिभागी मोबाइल एप के जरिए अपना पंजीयन कराकर प्रतियोगिताओं में भाग ले सकता है।

बाल संस्कार पखवाड़ा संपन्न

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भीलवाड़ा. भाविप राजस्थान मध्य प्रांत की ओर से वर्चुअल युवा एवं बाल संस्कार पखवाड़ा संपन्न हुआ। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उत्तर पश्चिम डीडी शर्मा के सानिध्य में प्रांतीय संयोजक अमित सोनी ने बताया कि संस्कृति, संस्कार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की पाठशाला ऑनलाइन हुई। मंत्रोच्चार, चौपाई, आध्यात्मिक कहानियां, विज्ञान, करियर काउंसलिंग, सफलता के मूल मंत्र, योग, सड़क सुरक्षा, आत्मरक्षा, खेल एवं संगीत आदि विषयों का चयन किया गया। 2238 प्रतिभागियों ने पंजीयन करवाए। इसमें 15 विधाओं के 35 वीडियो दिखाए गए। विजेताओं को नकद पुरस्कार दिया। अध्यक्ष पारसमल बोहरा व महासचिव संदीप बाल्दी आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत 21 मई को प्रात: 10:00 बजे वंदेमातरम गीत के वीडियो के साथ की गई। इस कार्यक्रम की सभी 15 विधाओं की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 5815 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया एवं वीडियो और सामान्य टास्क प्रतियोगिता में 2385 प्रविष्टियां प्रांत की एप्लीकेशन पर अपलोड की गई। वीडियो और सामान्य टास्क प्रतियोगिता के निर्णय हेतु प्रथम चरण में शाखा स्तर पर शाखा दायित्वधारियों द्वारा श्रेष्ठ 2 प्रविष्टियों का चयन किया गया, द्वितीय चरण में शाखाओं द्वारा चयनित की गई श्रेष्ठ प्रविष्टियों एवं राजस्थान मध्य प्रान्त के अतिरिक्त प्राप्त हुई अन्य प्रविष्टियों में से प्रांत स्तरीय निर्णायक कमेटी द्वारा सर्वश्रेष्ठ 3 प्रविष्टियों का चयन किया गया। प्रश्नोत्तरी एवं वीडियो टास्क के विजेताओं को ई-सर्टिफिकेट एवं नकद पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम को सफलता के नए आयाम तक पहुंचाने में परिषद परिवार के सभी पदाधिकारियों, सहयोगियों और प्रतिभागियों का अपार सहयोग मिला।

अन्य

ऑनलाइन रामायण का पात्र बनो फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता शाहपुरा शाखा द्वारा 21 अप्रैल 2021 राम नवमी के अवसर पर आयोजित करवाई गई।

भाविप नेताजी सुभाष शाखा द्वारा नवरात्रि में कोविड की वजह से कोई भी कार्य सामूहिक रूप से इकट्ठा होकर नहीं कर सकने के कारण सदस्यों ने अपने अपने घरों में रहकर सामूहिक रूप से रामायण का एक-एक मास पारायण पठन किया व पाठ करते समय का फोटो भेजने का कार्यक्रम रखा। जिसमें कुल 33 सदस्यों की सहभागिता रही।

सीता नवमी के अवसर पर ब्यावर शाखा द्वारा ऑनलाइन वक्तव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य शाखा-मदनगंज-किशनगढ़ द्वारा मातृ-दिवस पर 9 मई 2021 को फेसबुक पर सुश्री आत्मिका जैन द्वारा माँ एक लम्हा अहसासों भरा पर अपनी लाईव प्रस्तुति दी।

भारत विकास परिषद् शाखा विवेकानंद भीलवाड़ा द्वारा कोरोना रोकथाम हेतु सुबह 8 से 9 बजे ऑनलाइन नि:शुल्क तीन दिवसीय 10 मई से 12 मई तक आर्ट ऑफ लिविंग-ऊर्जा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 118 साधकों ने भाग लिया।

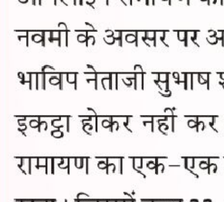
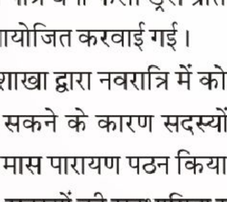
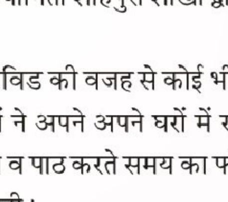
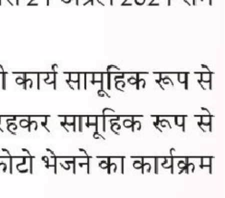

भोजन वितरण

कोविड-19 के तहत मरीजों को घर में खाना बनाने की समस्या आ रही थी, इसके समाधान में भारत विकास परिषद् मध्य प्रांत की महाराणा प्रताप शाखा भीलवाड़ा, अजयमेरु अजमेर, नेताजी सुभाष, आजाद भीलवाड़ा, गंगापुर, ब्यावर, केकड़ी, नसीराबाद और राजसमंद शाखा सदस्यों द्वारा घर-घर जाकर भोजन वितरण किया। इस मुहिम के अंतर्गत परिषद् के सदस्य क्वॉरेंटाइन मरीजों को सुबह एवं शाम को नि:शुल्क सात्विक भोजन उपलब्ध करवाते, भोजन सदस्य स्वयं अपने द्वारा बनवाते एवं उसकी गुणवत्ता व सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता। क्वॉरेंटाइन मरीजों को भोजन वितरण का कार्य 20 अप्रैल से चालू किया था और 30 जून तक 66,623 भोजन पैकेट घर-घर जाकर वितरित किए गए। भोजन व्यवस्था, पैकिंग एवं गुणवत्ता के लिए समय-समय पर राष्ट्रीय, रीजनल एवं प्रांतीय दायित्वधारियों ने अवलोकन व उचित मार्गदर्शन प्रदान किया।

कोविड-19 के तहत सेवा कार्य

वैश्विक महामारी कोरोना कोविड-19 की दुसरी लहर ने पूरे देश को प्रभावित और भयभीत किया। इस संकट काल में राजस्थान मध्य प्रांत की सभी शाखाओं के सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों में सेवा के मोर्चे को संभाले रखा। शाखाओं से जगह-जगह भोजन व राशन वितरण करने, मास्क व सेनेटाईजर वितरण करने और अपनी क्षमता से बढ़ चढ़कर आर्थिक रूप से सहायता प्रदान करने के समाचार प्राप्त हुए हैं।कोरोना हेतु सेवा कार्य में राजस्थान मध्य प्रांत की शाखाओं द्वारा 1 अप्रैल 2021 से 30 जुन 2021 तक अवधि में किए गए कार्य निम्न प्रकार है-

1. ऑक्सीजन कंसंट्रेटर वितरण-26
2. ऑक्सीजन सिलेंडर वितरण -115
3. भोजन सामग्री किट वितरण -2,576
4. मेडिकल किट वितरण -6037
5. आयुर्वेदिक काढ़ा पैकेट वितरण-7145
6. कोविड केयर सेंटर में बेड -40
7. वैक्सीनेशन कैंप में लाभान्वित-260

कर्णावट बंधुओं ने उपलब्ध कराए 7 और रेगुलेटर

केकड़ी| कोरोना ग्रसित उपचाररत मरीजों के लिए केकड़ी के कर्णावट बंधुओं द्वारा रेगुलेटर संकट के बीच 7 रेगुलेटर और उपलब्ध कराए गए। छह रेगुलेटर के बाद गुरुवार को भी 7 रेगुलेटर का बंदोबस्त और किया गया और केकड़ी एसडीएम सुरेंद्र सिंह राजपुरोहित को सौंपा गया। पटेल स्कूल में बनाई गई कोविड-19 की रेगुलेटर के अभाव में अटकी पड़ी थी, उसका संचालन आरंभ कर दिया गया। वहां मरीज भी शिफ्ट किए गए हैं। कर्णावट बंधुओं द्वारा बुधवार को 6 रेगुलेटर अस्पताल प्रबंधन को उपलब्ध कराए गए थे। समाजसेवी

सुशील कर्णावट, पवन कर्णावट, गौतम कर्णावट, निलेश कर्णावट के साथ एसडीएम कार्यालय में रेगुलेटर सौंपने के मौके पर डीएसपी खींवसिंह तहसीलदार राहुल पारीक विमल कोठारी, मोड़सिंह राणावत आदि मौजूद थे।

चिकित्सा परामर्श शिविर

पीड़ित मानवता की सेवार्थ राजस्थान मध्य प्रांत ने अपने सेवा प्रकल्प के तहत नर सेवा–नारायण सेवा को ध्यान में रखते हुए नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श सेवा का अभियान प्रारंभ किया है, जिसमें आप अपने रोगानुसार विभिन्न चिकित्सकों से फोन/व्हाट्सएप के माध्यम से रोग का निदान करवा सकते हैं। नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श हेतु 20 एलोपैथिक चिकित्सक, 5 आयुर्वेदिक चिकित्सक और 2 होम्योपैथिक चिकित्सक का एक पैनल तैयार किया है, जो एक निर्धारित समय में नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श देते हैं।

रक्तदान - जीवनदान

कोरोना महामारी के कारण लोक डाउन में रक्त की कमी से जूझते हुए अस्पतालों को मानव सेवार्थ सहायता हेतु राजस्थान मध्य प्रांत की शाखाओं द्वारा रक्त वाहिनी के माध्यम से लघु रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जून माह तक 6 शाखाओं– **बांदनवाड़ा, गुलाबपुरा, महाराणा प्रताप भीलवाड़ा, शाहपुरा, गंगापुर, ब्यावर** द्वारा कोविड–19 के सोशियल डिस्टेंसिंग एवं सरकारी नियमों की पालना करते हुए 9 लघु रक्तदान शिविरों का आयोजन कर 423 रक्त यूनिट का संग्रहण किया गया। चिकित्सालय में आवश्यकता होने पर 30 युनिट त्वरित रक्तदान और 9 युनिट रक्त प्लाज्मा दान भी किया गया।

शिविर में 85 यूनिट रक्त संग्रहण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बांदनवाड़ा. भारत विकास परिषद शाखा बांदनवाड़ा एवं लोढ़ा परिवार के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को कस्बे की महावीर कॉलोनी स्थित जैन स्थानक में एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर हुआ। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय प्रभारी डॉ. गंगासिंह एवं डॉ. धर्मेश की टीम व जनाना हॉस्पिटल अजमेर की टीम ने 85 यूनिट रक्त संग्रहण किया गया।

शिविर का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष प्रिंस लोढ़ा, संरक्षक किशनगोपाल परिहार, समाजसेवी उगरसिंह लोढ़ा, शांतिलाल लोढ़ा ने स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए किया। संरक्षक किशनगोपाल परिहार ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। समय-समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन होना चाहिए जिससे किसी जरूरतमंद की सहायता हो सके। परिहार ने बताया कि शिविर का आयोजन जैन संत गुरु पन्नालाल व आचार्य सुदर्शनलाल की सद्प्रेरणा से लोढ़ा परिवार ने किया। शिविर में महिलाओं ने भी रक्तदान किया।

लोढ़ा परिवार द्वारा रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर दीपककुमार लोढ़ा, हर्षित, प्रीतम जैन, सुरेन्द्र बोहरा, मुकेश डींगड़, रोशन, महेन्द्र, भागचंद तातेड़, कोषाध्यक्ष अशोक टेलर, सचिव त्रिलोकचंद जांगिड़, रक्तदान प्रभारी शिवदेव कुमावत, रिखबचंद पोखरना, मनोज आहूजा, ललित लोढ़ा, विक्रमसिंह राठौड़ आदि मौजूद थे।

बांदनवाड़ा. कस्बे की महावीर कॉलोनी स्थित जैन स्थानक में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में रक्तदान करते युवा एवं मौजूद सदस्य।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में रक्तदान करते युवा एवं मौजूद सदस्य।

32 यूनिट रक्तदान

41 यूनिट रक्तदान हुआ भारत विकास परिषद प्रताप शाखा के कैंप में

ब्यावर शाखा द्वारा रक्तदान आपके अपने द्वार प्रकल्प प्रारम्भ किया गया। कोरोना महामारी के चलते रक्तदान शिविर नहीं हो रहे व हॉस्पिटल में जाकर रक्त देने से भी एक डर सा बना हुआ था, इसीलिए शाखा द्वारा नवाचार करते हुए मोबाइल रक्तदान शिविर प्रारंभ किया गया, जिसके अंतर्गत प्रत्येक रविवार को परिषद के दल द्वारा 'चल (मोबाइल) रक्तदान शिविर' के माध्यम से रक्तदाताओं के घर–घर जाकर परिषद की वातानुकूलित एंबुलेंस में ही रक्त संग्रहण का कार्य किया जाएगा, जिसमें अस्पताल की डॉ.टीम परिषद के साथ रहेगी। इच्छुक रक्तदाता का नाम, मोबाइल नंबर व पता पूर्व में ही अग्रिम पंजीकरण किया जायेगा। प्रकल्प का शुभारंभ 23 मई, रविवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर एंबुलेंस को रवाना कर किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने रक्त की कमी के बारे में बताते हुए इस प्रकल्प की उपयोगिता को बताया।

महामारी के इस दौर में संक्रमण से बचाव हेतु सभी उपायों को अपनाते हुए तथा कोविड-गाइडलाइन की पूर्ण पालना करते हुए यह शिविर संचालित किया गया। शिविर में परिषद संरक्षक श्री लक्ष्मणदास गुरनानी, अध्यक्ष अनिल जी भराड़िया डॉ..एल.एन.बल्दवा, आलोक जी गुप्ता, संदीप जी नाहटा, नरेश जी मित्तल, अजय जी सोमानी, कन्हैयालाल जी शर्मा के अतिरिक्त डॉ. मुकेश भगत व उनकी टीम का सहयोग मिला।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी बीमा योजना

25 अप्रैल 2021, रविवार को ब्यावर शाखा द्वारा 'मुख्यमंत्री चिरंजीवी बीमा योजना शिविर' का आयोजन किया गया।शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के उपरांत वंदे मातरम गायन के साथ हुआ। शिविर में कोविड-गाइडलाइन का पूर्ण पालन करते हुए कुल 125 परिवारों का पंजीयन किया गया तथा 100 परिवारों को पॉलिसी जारी कर योजना से लाभान्वित किया गया।

स्वास्थ्य बीमा योजना में 125 का किया पंजीयन

ब्यावर @ पत्रिका. भारत विकास परिषद् की ओर से माहेश्वरी भवन में मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना शिविर का आयोजन किया गया। प्रकल्प प्रभारी राजेन्द्र काबरा व अमरचंद मून्दड़ा ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत आयु व आयवर्ग की कोई सीमा नहीं है। अन्य योजनाओं के मुकाबले प्रीमियम कम है। राजस्थान के सभी सरकारी एवं कुछ प्रसिद्ध निजी अस्पताल इसमें सेवा प्रदाता है। शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के उपरांत वंदे मातरम गायन के साथ हुआ। दीप-प्रज्वलन मुख्य अतिथि सत्यनारायण तापड़िया व विशिष्ट अतिथि दिलीप जाजू ने किया। अध्यक्ष अनिल भराडिया व सचिव प्रशांत पाबूवाल ने बताया कि शिविर में कोविड-गाइडलाइन का पूर्ण पालन करते हुए 125 परिवारों का पंजीयन किया गया तथा 100 परिवारों को पॉलिसी जारी कर योजना से लाभान्वित किया गया। शिविर में रमेशचंद्र भराडिया, पार्षद राजेश झंवर, आलोक गुप्ता, सतीश सर्राफ, शिविर सह प्रभारी अजय सोमानी, अशोक मेवाड़ा, कन्हैयालाल शर्मा, संजय जिन्दल, विकास जैन, राजेंद्र सर्राफ, संदीप नाहटा, वैभव सुखलेचा, पवन जैन, डॉ. रमेशचंद्र शर्मा, प्रकाश इनाणी, नारायण हेड़ा आदि मौजूद रहे।

योग शिविर

21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से अधिक से अधिक व्यक्ति योग से जुड़ सकें इस प्रयास के अंतर्गत राजस्थान मध्य प्रांत द्वारा 15 जून से 21 जून 2021 तक योग सप्ताह का वर्चुअल माध्यम से आयोजन प्रान्तीय संयोजक श्री सर्वेश जी विजय के नेतृत्व में किया गया। योग सप्ताह के अंतर्गत 15 जून से प्रत्येक दिन अलग-अलग विषयों पर प्रात: 6:00 बजे से योग के वीडियो प्रांत के ग्रुप में प्रेषित किये गये और साथ ही योग के लाभ और महत्व की जानकारी भी दी गयी।
योग सप्ताह का समापन समारोह एवं विश्व योग दिवस पर योग शिविर का आयोजन केकड़ी शहर से ऑनलाइन किया गया जिसे जूम एप, फेसबुक एवं यूट्यूब पर लाइव चलाया गया। इस मौके पर पतंजलि योग पीठ के प्रशिक्षित योग शिक्षक जेपी सोनी ने योगाभ्यास करवाया। योग सप्ताह के समापन के मौके पर भारत विकास परिषद के सदस्यों ने श्री जेपी सोनी का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। इस सात दिवसीय कार्यक्रम में केकड़ी शाखा के अध्यक्ष श्री कैलाश चंद जैन, सचिव श्री सुरेश कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री विमल कोठारी व शाखा के सक्रिय सदस्य श्री गोविंद गर्ग के साथ सभी कार्यकर्ताओं का भरपूर सहयोग रहा।

कोरोनाके चलते इस वर्ष योग दिवस पर शाखाओं द्वारा ऑनलाइन योगाभ्यास एवं योग शिविरों का आयोजन किया गया। प्रांत की 14 शाखाओं ने योग दिवस पर कार्यक्रम किये। सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए कई शाखाओं द्वारा 7 से 10 दिवसीय योग शिविर का आयोजन भी किये गये।

सेवा पखवाड़ा

डॉ. सूरज प्रकाश जी की जयंती के शुभ अवसर पर प्रांत द्वारा 27 जून से 10 जुलाई तक सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जिसमें रक्तदान शिविर, चिकित्सा एवं नेत्र जांच शिविर, गौवंश हेतु चारे एवं पानी की व्यवस्था, वनवासी क्षेत्र हेतु सहायता, कोरोना से निराश्रित हुए परिवारों को आर्थिक एवं सामग्री सहायता, संभावित कोरोना की तीसरी लहर से बचने हेतु उपायों पर गोष्ठी, प्लाज्मा डोनेशन करने वाले व कोराना में सराहनीय सेवा देने वाले बन्धुओं का सम्मान, वैक्सीनेशन कैम्प, आर्थिक स्वावलंबन कार्यक्रम के अंतर्गत बेराजगार हुए रेहड़ी वाले बन्धुओं को पुनः रोजगार हेतु सहयोग, ऐनिमिया मुक्त भारत के अंतर्गत महिलाओं मे जागरुकता एवं गुड़, चना व लोहे की कड़ाही वितरण, डॉ. सूरजप्रकाश जी की जयंती को आधार बनाकर प्रांत में कम से कम एक प्रभावी स्थाई प्रकल्प की रचना और वृक्षारोपण एवं तुलसी गमला वितरण कार्यक्रम किये जायेंगें। स्वामी विवेकानन्द शाखा भीलवाड़ा द्वारा 28 जून से चल रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत 29 जून को स्काउट कार्यालय के बाहर, नेहरू मार्ग पर नियमित रूप से चलने वाले शुद्ध जलमंदिर का शुभारंभ पूजनीय महामंडलेश्वर श्री हंसाराम जी महाराज के सानिध्य में उनके आशीर्वचन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर रीजनल मंत्री महिला एवं बाल विकास गुणमाला जी अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

चिकित्सकीय उपकरण

राजसमंद शाखा द्वारा राजकीय चिकित्सालय के आईसीयू यूनिट गोद लिया गया जिसमें 800000 से अधिक की राशि के उपकरण मुख्य रूप से वेंटिलेटर, एयर कंडीशनर एवं अन्य आवश्यक उपकरण भेंट किये गये।

ब्यावर शाखा द्वारा 25 मई को स्थानीय अमृत कौर चिकित्सालय को 26 पेशेंट साईड टेबल उपलब्ध करवाई गई। आमेट शाखा द्वारा 26 मई को सामुदायिक प्राथमिक केंद्र आमेट में 2 व्हीलचेयर, एक मरीजों को लाने ले जाने की स्ट्रेचर, नेबुलाइजर, ऑक्सीमीटर एवं मास्क श्रीमान एसडीएम महोदय एवं तहसीलदार महोदय की उपस्थिति में हॉस्पिटल इंचार्ज सीपी सूर्या साहब को समर्पित किये गये। इसमें आर्थिक सहयोग प्रांतीय संयुक्त सचिव विष्णु जी सोमानी द्वारा किया गया। परिषद के 20 सदस्य उपस्थित

कोरोना सेवाकार्य19
भारत विकास परिषद राजसमन्द का मोक्ष रथ 24 घन्टे सेवा मे लगा हे। #सेवापरमो_धर्म

देना दान-एक मुट्ठी अनाज

जरूरत मन्दों की सहायता के उद्देश्य से अजयमेरू शाखा द्वारा एक अभियान प्रारंभ किया गया 'देना दान एक मुट्ठी अनाज'। इसमें आप अपनी इच्छा अनुसार गेहूँ, आटा, दालें, चावल आदि दान कर सकते हैं। शहरवासियों द्वारा दिये गए दान से प्राप्त अनाज शहर में उन जरूरतमन्दों व बेरोजगारों को उनकी जरूरत के अनुसार प्रत्येक माह तब तक वितरण किया जाएगा जब तक वह पुनः रोजगार प्राप्त न कर लें। सहायता प्राप्त करने वालों की कोई फोटो नही खींची जाएगी ना ही उनके नाम उजागर किये जाएंगे। उनकी मात्र सँख्या बताई जाएगी। अनाज दान केसरगंज सीताराम बाजार स्थित राजेन्द्र ट्रेडिंग कम्पनी व नया बाजार चौपड में गनेडिवाल कम्पनी पर वहां रखे पात्रो में दे सकते हैं। अनाज में गेहूं, चावल,आटा व दाल दान कर सकते है।

शाखा के सतीश जी बंसल की ओर से 750 किलो आटा, 150 किलो चावल, 150 किलो दालें, 150 किलो नमक, 150 किलो शक्कर, 75 किलो तेल, 30-30 किलो लाल मिर्च और धनिया पाउडर, 15 किलो हल्दी, 10 किलो राई, 15 किलो चाय पत्ती 'देना दान एक मुट्ठी अनाज' प्रकल्प के अंतर्गत आजाद नगर, नागेश्वर कॉलोनी, कोटड़ा आदि क्षेत्र में वितरण किया गया।

पक्षी परिण्डे

कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन और कर्फ्यू में सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करते हुए शाखाओं के सदस्यों ने अपने निवास स्थान व कॉलोनी वासियों की सहायता से आसपास के मकानों एवं पेड़ों पर पक्षी परिंडे लगाए एवं उनकी देखभाल की जिम्मेदारी कॉलोनी वासियों द्वारा सहर्ष ली गई।

प्रांत से भीलवाड़ा की आजाद, प्रताप, विवेकानन्द, सुभाष, भोजरास, ब्यावर, केकड़ी, नसीराबाद, गंगापुर, बांदनवाड़ा, अजमेर मुख्य, शाहपुरा, राजसमन्द, बिजयनगर आदि से 3360 से अधिक संख्या में पक्षी परिंडे अपने–अपने क्षेत्र में वितरण व लगाने के समाचार प्राप्त हुए हैं। सभी शाखाओं के सहयोग से मुक पशुओं हेतु लगभग 350 पानी की टंकियों का नि:शुल्क वितरण भी किया गया।

पर्यावरण

विश्व पर्यावरण दिवस पर राजस्थान मध्य प्रांत की शाखाओं द्वारा 5 जून से विश्व पर्यावरण सप्ताह के अंत तक अर्थात 7 जुलाई तक पर्यावरण प्रकल्पों को विशेष प्राथमिकता से करने का संकल्प लिया। कोरोना महामारी के चलते लोक डाउन से पर्यावरण गुणवत्ता में बहुत कुछ सुधार हुआ है, हमें प्रयास करके उस गुणवत्ता को बनाए रखना है, यही महत्वपूर्ण संदेश सदस्यों को दिया गया। पर्यावरण प्रकल्प के अंतर्गत प्रांत की 15 शाखाओं द्वारा 1290 से अधिक वृक्षारोपण और 5 शाखाओं द्वारा 602 तुलसी पौधा वितरण किया गया। अजयमेरु अजमेर ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ''शहर को ना होने दे मैला, हाथ में रखो थैला' स्लोगन अपना कर विभिन्न कॉलोनियों में कपड़े के एक हजार कपड़े के थेले बांटने का कार्य प्रारंभ किया और अजमेर को स्वच्छ रखने के उदेश्य से पॉलिथिन का बहिष्कार करने का संकल्प दिलाया। प्रांत की अन्य शाखाओं द्वारा 'पॉलिथिन मुक्त भारत' प्रकल्प के अंतर्गत 5030 कपड़े के थैलों का वितरण किया।

शाखा मदनगंज किशनगढ़ ने पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कोरोना काल को देखते हुए महिलाओं व बच्चों के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महिला संयोजिका सरिता मंत्री ने बताया कि पर्यावरण दिवस पर तीन प्रतियोगिताएं रखी गई। बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता रखी गई जिसमें प्रथम वंश तापड़िया, द्वितीय रिद्धिमा बाहेती, पर्यावरण पर स्लोगन प्रतियोगिता बालक व बालिकाओं के लिए रखी गई। जिसमें प्रथम विवान तापड़िया, द्वितीय हर्षाली काबरा, तृतीय परिधि काला कुचामन सिटी, पर्यावरण पर तीसरी प्रतियोगिता महिलाओं को पर्यावरण पर अपने विचार लिखना रखी गई, जिसमें प्रथम सपना तापड़िया व द्वितीय गायत्री लड्ढा रही। महिला पतंजलि योग समिति सह प्रभारी सरोज मालू के सानिध्य में कोरोना महामारी से बचने के लिए ऑनलाइन हवन कराया गया, जिसमें सभी ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

संजीवनी प्रकल्प-अक्षय फंड

अक्षय तृतीया के पावन दिवस पर आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा 'कोई भी अभावग्रस्त ना रहे' पंक्ति को चरितार्थ करने हेतु कनकधारा स्त्रोत की रचना की गई। उसी प्रेरणा को मन में संजोकर कर राजस्थान मध्य प्रांत द्वारा **संजीवनी प्रकल्प** प्रारंभ किया गया।

परिषद् एक परिवार है और हम सभी सदस्य तन मन धन से स्वच्छ-स्वस्थ और संस्कारित भारत के निर्माण के महान लक्ष्य की पूर्ति हेतु निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं। परिवार में सदस्यों का आपसी संपर्क व संगठित रहना अत्यंत महत्वपूर्ण है और प्रत्येक उद्देश्य की पूर्ति से पूर्व एक दूसरे के प्रति सम्मान, प्रेम व कर्तव्य का बोध होना भी अनिवार्य है। परिषद परिवार के सदस्य के प्रति नैतिक जिम्मेदारी को समझते हुए राजस्थान मध्य प्रांत ने इस वर्ष से संजीवनी प्रकल्प प्रारंभ किया है। इस प्रकल्प का मुख्य उद्देश्य हमारे किसी सदस्य की अकाल मृत्यु होने पर उनको परिवारजन को यह एहसास दिलाना है कि परिषद् परिवार उनके साथ है और सदैव उनके सहयोग हेतु समर्पित है। इस प्रकल्प के मुख्य बिंदु इस प्रकार है-

1. **आजीवन सदस्यता**- शाखा के किसी भी सदस्य की मृत्यु के पश्चात् दिवंगत सदस्य की पत्नी परिषद् परिवार की आजीवन सदस्या रहेगी। उनकी सदस्यता हॉनरेरी मेंबर के रूप में रहेगी और सदस्यता शुल्क स्वैच्छिक रहेगा।

2. **अक्षय फंड**- इस प्रकल्प के अंतर्गत प्रांतीय चैरिटेबल ट्रस्ट में अक्षय फंड के नाम से एक कोष का गठन किया गया है। सर्वप्रथम प्रांत द्वारा इस फंड में रू. 5,00,000/- की राशि हस्तांतरित की गई। उसके बाद प्रतिवर्ष रू. 50/- प्रति सदस्य को आधार बनाते हुए सहयोग राशि अक्षय फंड में प्रांत द्वारा हस्तांतरित की जाएगी।

3. **अक्षय फंड का उपयोग** - अक्षय फंड में एकत्रित राशि को प्रांतीय चौरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से प्रांतीय अक्षय फंड समिति के प्रस्ताव पर निम्न रूप में उपयोग किया जा सकेगा-

अ) दिवंगत सदस्य के बच्चों की शिक्षा के लिए- संबंधित शाखा के दायित्वधारियों के अनुमोदन पर दिवंगत सदस्य के परिवार के बच्चों की शिक्षा हेतु आवश्यकता होने पर सहयोग राशि प्रदान की जाएगी। अधिकतम राशि कक्षा 8 तक के विद्यार्थी के लिए रू.10,000/- प्रति विद्यार्थी प्रतिवर्ष और कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए रू.15,000/- प्रति विद्यार्थी प्रतिवर्ष।

ब) विवाह हेतु सहयोग- दिवंगत सदस्य के बच्चों के विवाह हेतु सर्वप्रथम परिषद् के सरल सामूहिक विवाह आयोजन में विवाह करवाने हेतु प्रेरित किया जाएगा और आवश्यकता होने पर सहयोग के रूप में रू. 21,000/- की राशि प्रदान की जायेगी।

स) स्वावलंबन सहयोग- संबंधित शाखा के दायित्वधारियों के अनुमोदन एवं शाखा के दो वरिष्ठ सदस्यों की गारंटी पर दिवंगत सदस्य की पत्नी अथवा बालिग संतान को आवश्यकता होने पर स्वाबलंबन सहयोग के अंतर्गत घरेलू उद्योग अथवा आत्मनिर्भर बनने हेतु कार्य करने के लिए ब्याज मुक्त ऋण (इंटरेस्ट फ्री लोन) दिया जाएगा। ऋण की राशि प्रोजेक्ट पर निर्भर करेगी परंतु अधिकतम राशि रू. 50000/- निर्धारित है। ऋण का भुगतान ऋण देने की तिथि के 6 महीने बाद समान मासिक किस्तों में करना होगा। भुगतान की मॉनिटरिंग का कार्य

संबंधित शाखा के दायित्वधारियों व गारंटर वरिष्ठ सदस्यों का रहेगा। विषम परिस्थिति में ऋण की राशि को अक्षय फंड वित्तीय समिति की अनुशंसा पर बढ़ाया भी जा सकेगा।

4. एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट इंश्योरेंस- राजस्थान मध्य प्रांत की सभी शाखाओं के प्रत्येक सदस्य का रू. 200000/- तक का एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट इंश्योरेंस किया जाएगा, जिसके अन्तर्गत दुर्घटना में सदस्य की मृत्यु पर रू. 200000/- और अंगभंग होने पर रू. 100000/- की सहयोग राशि मिलेगी। इंश्योरेंस के प्रीमियम का भुगतान अक्षय फंड में से किया जाएगा। इंश्योरेंस हेतु आवश्यक होगा कि वर्ष 2021-22 हेतु सदस्यता शुल्क एवं सदस्यता सूची नॉमिनी के नाम सहित 31 मई 2021 तक प्रांत को प्रेषित की जाए। अगले सत्र से यह तिथि 30 अप्रैल रहेगी। प्रीमियम हेतु सदस्यों से अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा।

5. संजीवनी मित्र - इस प्रकल्प के अंतर्गत सहयोग एवं सहभागिता के उद्देश्य से संजीवनी मित्र का प्रावधान भी किया गया है। परिषद सदस्य अथवा भामाशाह जो अक्षय फंड में सहयोग हेतु रू. 5100/- की सहयोग राशि प्रदान करेंगे, वह बंधु संजीवनी मित्र कहलाएंगे। संजीवनी मित्र को सार्वजनिक कार्यक्रम में मोमेंटो व सर्टिफिकेट से सम्मानित किया जाएगा और परिषद् के प्रत्येक कार्यक्रम में सादर आमंत्रित रहेंगे एवं अग्रिम पंक्ति में स्थान देकर उनका सम्मान किया जाएगा।

संजीवनी मित्र हेतु निर्धारित फॉर्म व पैन कार्ड की प्रतिलिपि प्रांतीय कार्यालय को प्रेषित करनी होगी और सहयोग राशि का भुगतान चेक के माध्यम से प्रांतीय चैरिटेबल ट्रस्ट में किया जाएगा।

अक्षय तृतीया के इस पावन अवसर पर प्रारंभ संजीवनी प्रकल्प को राजस्थान मध्य प्रांत के सदस्यों ने सकारात्मक भाव दर्शाते हुए सहर्ष स्वीकार किया। संजीवनी प्रकल्प के अंतर्गत अब तक 180 संजीवनी मित्र बन चुके हैं, और प्रत्येक ने रू. 5100/- सहयोग राशि प्रदान की है। सभी सदस्यों के सकारात्मक सहयोग से इस प्रस्ताव को नई ऊर्जा मिली और निश्चय ही यह प्रकल्प पूरे देश के लिए एक नसीर बनेगा और इस प्रकल्प के माध्यम से हम अपने लक्ष्य को पूरा करने में सफल होंगे। 30 जून 2021 तक संजीवनी प्रकल्प के अन्तर्गत 2343 सदस्यों का रू. 2,00,000/- तक का एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट इंश्योरेंस किया जा चुका है।

भारत विकास परिषद संजीवनी प्रकल्प से दिवंगत सदस्यों के परिजनों को देगी 'संजीवनी'

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

भारत विकास परिषद द्वारा अक्षय तृतीया के पावन मौके पर संजीवनी प्रकल्प प्रारंभ किया गया है। इस प्रकल्प का मुख्य उद्देश्य परिषद के किसी भी सदस्य की अकाल मृत्यु होने पर उनको परिवारजन को यह अहसास दिलाना कि परिषद परिवार उनके साथ है और सदैव उनके सहयोग हेतु समर्पित है। राजस्थान मध्य प्रांत के महासचिव सीए संदीप बाल्दी ने बताया कि शाखा के किसी भी सदस्य की मृत्यु के पश्चात दिवंगत सदस्य की पत्नी परिषद परिवार की आजीवन सदस्या रहेंगी। उनकी सदस्यता हॉनरेरी मेंबर के रूप में रहेगी और सदस्यता शुल्क स्वैच्छिक रहेगा। राजस्थान मध्य प्रान्त के मीडिया प्रभारी महेश जाजू ने बताया कि इस प्रकल्प के अंतर्गत प्रांतीय चैरिटेबल ट्रस्ट में अक्षय फंड के नाम से एक कोष का गठन किया जाएगा।

अक्षय फंड में एकत्रित राशि को प्रांतीय चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से प्रांतीय अक्षय फंड समिति के प्रस्ताव पर दिवंगत सदस्य के बच्चों की शिक्षा के लिए, विवाह हेतु सहयोग, स्वाबलंबन सहयोग, एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट इंश्योरेंस पर खर्च किया जाएगा। प्रांतीय अध्यक्ष पारसमल बोहरा ने कहा कि संजीवनी प्रकल्प एक प्रकल्प ना होकर हमारी एक नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि इस प्रकल्प को सफल बनाने में सहयोग करें और शाखा अपने सदस्यों को संजीवनी मित्र बनने हेतु प्रेरित करें।

अभिरुचि शिविर

कोरोना वायरस महामारी के समय सभी जगह नकारात्मकता और असुरक्षा का भाव लोगों के मन में था, तब प्रांतीय अभिरुचि शिविर संयोजिका श्रीमती भारती जी मोदानी द्वारा ऑनलाइन अभिरुचि शिविर के आयोजन का विचार साझा किया गया और 01 मई 2021 की मातृशक्ति संपर्क बैठक में सभी उपस्थित शाखाओं की महिला दायित्वधारियों से चर्चा की गई, तब यह परिकल्पना की गई थी कि इस तरीके के आयोजन से संपर्क के आयाम को पूरा किया जा

सकता है। राजस्थान मध्य प्रांत की 11 शाखाओं द्वारा 12 ऑनलाइन अभिरुचि शिविरों का आयोजन किया गया। अब तक आयोजित ऑनलाइन शिविरों में राज्य स्तर पर ही नहीं वरन पूरे भारत वर्ष और विदेशों से कुल 55,883 रजिस्ट्रेशन हुए, इसमें राजस्थान के बाहर से 8126 और विदेशों से 758 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया।

क. स.	शाखा का नाम	दिनांक	विधाएं	प्रतिभागी
01	भाविप ब्यावर	19 मई 2021 से 25 मई 2021	11	7000
02	भाविप ब्यावर	26 मई 2021 से 01 जून 2021	9	5500
03	भाविप गुलाबपुरा	24 मई 2021 से 31मई 2021	10	1820
04	भाविप वीर शिवाजी भीलवाड़ा	27 मई 2021से 31 मई 2021	5	416
05	भाविप नेताजी सुभाष भीलवाड़ा	06 जून 2021से 12 जून 2021	7	9455
06	भाविप स्वामी विवेकानन्द भीलवाड़ा	07 जून 2021से 13 जून 2021	10	3170
07	भाविप अरावली अजमेर	13 जून 2021से 20 जून 2021	4	955
08	भाविप चंद्रशेखर आजाद भीलवाड़ा	14 जून 2021से 30 जून 2021	11	13183
09	भाविप बिजयनगर	14 जून 2021से 30 जून 2021	8	4103
10	भाविप प्रताप भीलवाड़ा	14 जून 2021से 19 जून 2021	8	963
11	भाविप गंगापुर	15 जून 2021से 20 जून 2021	10	8063
12	भाविप शाहपुरा	25 जून 2021से 30 जून 2021	5	1250

इन शिविरों में कुकिंग, योगा, मास्क मेकिंग, वॉल पेंटिंग, इंग्लिश स्पीकिंग, मण्डाला आर्ट, जुम्बा डांस, माइंड केयर, ब्यूटी कोर्स, एक्यूप्रेशर, ड्रॉइंग इत्यादि विषयों का प्रशिक्षण ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। प्रशिक्षकों का परिषद् परिवार से होना एवं अन्य प्रशिक्षकों का नि:शुल्क प्रशिक्षण परिषद् की छवि को दर्शाता है। शिविर में शाखाओं द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप लिंक के माध्यम से विभिन्न विधाओं के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसके तहत झूम एप एवं यूटयूब चैनल के लिंक द्वारा सभी विषयों के वीडियो ग्रुप में पोस्ट कर प्रशिक्षण दिया गया। सभी ग्रुप में एक निश्चित समय पर प्रतिभागियों की शंकाओं के समाधान की भी व्यवस्था की गई। इस तरह प्रतिभागी कभी भी वीडियो को देख कर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है और अन्य किसी व्यक्ति को भेजकर उन्हें भी लाभान्वित कर सकता है। शुरूआत में जो प्रतिभागी नहीं जुड़ सके वह भी इसका हिस्सा बनकर बाद में लाभ उठा पाए।

आज इस महामारी के समय में भी हर वर्ष की भांति इस बार भी अभिरुचि शिविर का आयोजन करना, यह सन्देश देता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी शाखा के प्रत्येक सदस्य अपने स्तर पर कार्य को पूर्ण करने का सजग प्रयास करते हैं। सभी क्लासेज का ऑनलाइन अवलोकन राष्ट्रीय, रीजनल, प्रांतीय, जिला अध्यक्ष, जिला सचिव एवं शहर समन्यक द्वारा किया गया।

क्रान्तिकारी वीर विनायक सावरकर जन्मोत्सव

स्वामी विवेकानंद शाखा भीलवाड़ा द्वारा 28 मई को क्रांतिकारी वीर विनायक सावरकर का जन्मोत्सव वेबिनार के माध्यम से मनाया गया। मुख्य वक्ता डॉ. काश्मीर जी भट्ट ने बताया कि अब तक पूरे विश्व में वे ही ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने दो आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उन्होंने वीर सावरकर के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वदेशी की बात करने वाले वे प्रथम व्यक्ति थे। इस अवसर पर 'संस्कार सरिता' पुस्तक के 23 वें संस्करण का विमोचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रान्तीय अध्यक्ष श्री पारसमल जी बोहरा ने की व कार्यक्रम की महत्ता बताई। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रान्तीय महासचिव श्री सन्दीप जी बाल्दी ने शाखा द्वारा किये जा रहे संस्कार एवं सेवाओं के कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष श्री कैलाश जी अजमेरा, जिला अध्यक्ष श्री शिवम जी प्रह्लादका की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। शाखा अध्यक्ष श्री रजनीकांत जी आचार्य ने सभी का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि संस्कार सरिता की अब तक 34500 प्रतियां शाखा के वरिष्ठतम सदस्य श्री गोविंद जी सोडाणी के सहयोग से छप चुकी है। कार्यक्रम का संचालन शाखा सचिव श्री बालमुकुंद जी डाड ने किया।

महाराणा प्रताप व डॉ.सूरजप्रकाश जयन्ती

प्रताप शाखा द्वारा प्रताप जयंती के अवसर पर स्वाभिमान कवि सम्मेलन का आयोजन झूम एप्लीकेशन के माध्यम से 13 जुन 2021 सोमवार को ऑनलाइन किया गया। शाखा अध्यक्ष श्री योगेन्द्र जी शर्मा द्वारा संचालन किया गया।

केकड़ी शाखा द्वारा डॉ. सूरज प्रकाश जी की जयंती के अवसर पर अशोक वाटिका, केकड़ी में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया और इस अवसर पर शाखा में नये सदस्यों को संकल्प दिलाया गया। नेताजी सुभाष शाखा द्वारा डॉ. सूरज प्रकाश जी की जयंती के उपलक्ष में एस.टेक. सीनियर सैकेण्डरी स्कूल पांसल में पहाड़ियों पर 50 औषधीय, फल एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया, जिसमें भीलवाड़ा के एडीएम श्रीमान् राकेश जी एवं जिला सचिव मुकेश जी लाठी, शाखा अध्यक्ष राजेश जी चैचानी, एस.टेक. स्कूल के डायरेक्टर एवं शाखा सदस्य श्रीमान् कैलाश जी तोतला, राघव जी तोतला, शाखा पर्यावरण प्रभारी श्रीमान् राजेश जी सोमानी, राजेंद्र जी राठी, नीरू जी सिंहल, सुनीता जी रावत, इंदु जी चैचानी, सुमन जी लड्ढा, सीमा जी बिड़ला एवं शाखा महिला प्रमुख आशा जी दरगड़ सहित 22 सदस्य उपस्थित रहे।

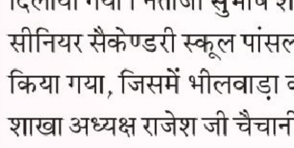

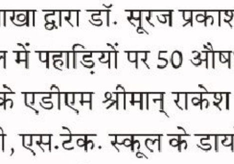

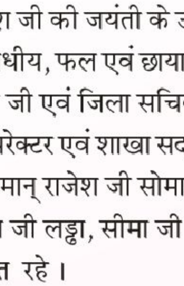
भाविप ने मनाई डॉ. सूरजप्रकाश जयंती, तुलसी के 101 पौधे बांटे

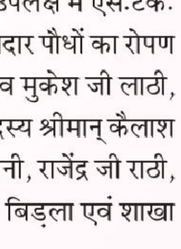

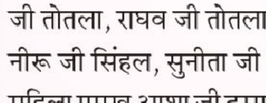

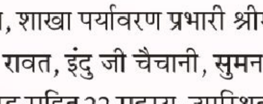

27 जून स्वामी विवेकानन्द शाखा भीलवाड़ा ने भारत विकास भवन पर संस्थापक डॉ. सूरज प्रकाश जी की 101 वी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष बलवंत राय जी लढ्ढा ने डॉक्टर साहब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जीवन राष्ट्र को समर्पित था। 10 जुलाई 1963 को परिषद् की स्थापना हुई। परिषद् परिवार आज पूरे भारतवर्ष एवं विश्व में 1500 से अधिक शाखाओं के साथ एक वटवृक्ष का रूप धारण कर चुका है। अपने मूल सुत्रों संपर्क, सहयोग एवं समर्पण के साथ समाज में सेवा एवं संस्कार के कार्य विभिन्न क्षेत्रों में कर रही है। इस अवसर पर 101 तुलसी के पौधे आमजन को वितरित किए गए।

सामाजिक समरसता के अन्तर्गत बान्दनवाड़ा शाखा द्वारा 14 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती मनाई गई और नववर्ष पर आयोजित ऑनलाईन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरूस्कृत किया गया।

स्थाई प्रकल्प
नेताजी सुभाष - पुस्तकालय

बहु प्रतीक्षित भारत विकास भवन नेताजी सुभाष भीलवाड़ा चौरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में पुस्तकालय हेतु भवन का लोकार्पण नांदेश्वर मंदिर अग्रवाल भवन के पास विजय सिंह पथिक नगर में हवन-पूजा के साथ प्रारंभ हुआ, जिसमें शाखा अध्यक्ष श्री दिनेश जी शारदा, श्री राजेश जी चैचानी, श्री राकेश जी चैचानी, श्री अशोक जी गोयल द्वारा सपरिवार हवन कार्य पूर्ण किया गया। कार्यक्रम के साक्षी बनने हेतु अंतिम आहुति राष्ट्रीय मन्त्री श्री मुकन सिंह जी राठौड़, रीजनल संरक्षक श्री शान्तिलाल जी पानगडिया, प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश जी अजमेरा, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री पारसमल जी बोहरा, प्रान्तीय महासचिव सीए संदीप जी बाल्दी, प्रान्तीय महिला प्रमुख श्रीमती गुणमाला जी अग्रवाल, प्रांतीय संगठन मंत्री श्री सुभाष जी जैन, शहर समन्वयक श्री गोविंद जी राठी, श्री किशन जी बंसल, प्रांतीय भारत को जानो प्रभारी श्री मुकेश जी लाठी, जिला सचिव श्री शिवम जी प्रहलादका उपस्थित रहे। शाखा अध्यक्ष दिनेश जी शारदा ने बताया कि इस भवन में पुस्तकालय हेतु संपूर्ण व्यवस्था की जाएगी और भविष्य में ई-लाइब्रेरी के संचालन की भी योजना पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस भवन से इस क्षेत्र के विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु सुविधाओं के साथ-साथ आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा। भवन में परिषद के प्रकल्पों के

अनुसार सेवा एवं संस्कार के कार्यों का आयोजन भी किया जाना प्रस्तावित है। प्रान्तीय पदाधिकारियों द्वारा शाखा को आश्वस्त किया गया कि पूंजीगत संसाधनों के लिए आवश्यक सहयोग केंद्र एवं प्रांत द्वारा प्रदान किया जाएगा।

भारत विकास परिषद् नेताजी सुभाष भीलवाड़ा चेरिटेबल ट्रस्ट सुभाष शाखा की लाइब्रेरी का शुभारम्भ नवसंवत्सर पर शाखा सदस्य की पुत्री नविका लाठी के हाथ से दीप प्रज्वलित कर एवं बलराज जी भाई साहब द्वारा मंत्रोचार से किया गया। सभी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। सभी उपस्थित विद्यार्थियों एवं सदस्यों से गायत्री मंत्र का 5 बार उच्चारण करवाया गया एवं रोज के नियम बनाये गये। हमेशा मंत्रोचार के साथ पढ़ाई प्रारंभ की जाएगी।

विवेकानन्द फिजियोथेरेपी क्लिनिक का शुभारम्भ

भारत विकास परिषद् शाखा स्वामी विवेकानंद का रामनवमी को सेवा प्रकल्प के तहत फिजियोथेरेपी क्लीनिक का शुभारंभ वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद जी की तस्वीरों के सामने पूजा अर्चना कर दीप प्रज्वलित कर किया गया। सचिव श्री बालमुकुंद जी डाड ने बताया कि भारत विकास भवन शास्त्रीनगर पर रियायती दरों पर चलाये जाने वाले इस क्लीनिक को अतिआधुनिक मशीनों से सजाया गया। क्लीनिक के मुख्य दरवाजे के रिब्बन को खोलकर इस क्लीनिक को भीलवाड़ा की जनता के लिये समर्पित किया गया। इस शुभ अवसर पर केंद्रीय दायित्वधारी श्री शांतिलाल जी पानगड़िया, श्री मुकन सिंह जी राठौड़, श्री बलराज जी आचार्य, प्रांतीय अध्यक्ष श्री पारसमल जी बोहरा, प्रांतीय संरक्षक श्री रामेश्वर लाल जी काबरा, श्री कैलाश जी अजमेरा, श्री राधेश्याम जी सोमानी, श्री शिवम जी प्रह्लादका, श्री मुकेश जी लाठी, श्री अनिल जी गोयल आदि उपस्थित रहे। प्रांतीय अध्यक्ष ने बताया कि इस क्लीनिक पर आम जनता के लिये फिजियोथेरेपी चिकित्सा रियायती दरों पर चिकित्सक डॉ.राखी जी विजयवर्गीय करेगी तथा प्रतिदिन की देखभाल का प्रभार श्री के.जी.सोनी, श्री अनिल जी लाठी एवं श्री बलवंतराय जी लढ़ा को दिया गया है।

शाखा अध्यक्ष श्री रजनीकांत जी आचार्य ने बताया कि कोरोना के चलते वर्चुअल शुभारंभ किया गया। अन्त में रजनीकान्त जी ने सभी का आभार प्रकट करते हुए आम जनता से अपील की कि आवश्यकता होने पर इस सेवा का अधिक से अधिक लाभ उठावें। इसका संचालन प्रतिदिन प्रात: एवं सांय दोनों समय किया जायेगा।

भाविप की फिजियोथैरेपी

भीलवाड़ा@ पत्रिका. भाविप शाखा स्वामी विवेकानंद के सेवा प्रकल्प के तहत बुधवार को फिजियोथेरेपी क्लीनिक का शुभारंभ हुआ। सचिव बालमुकुंद डाड ने बताया कि भारत विकास भवन शास्त्रीनगर पर संचालित क्लीनिक में अति आधुनिक मशीनें स्थापित है। शुभारम्भ पर केंद्रीय दायित्वधारी शातिलाल पानगड़िया, मुकुंदसिंह राठौड़, बलराज आचार्य, प्रांतीय अध्यक्ष पारसमल बोहरा, रामेश्वरलाल काबरा, कैलाशचन्द्र अजमेरा, राधेश्याम सोमानी, शिवम प्रह्लादका, मुकेश लाठी, अनिल गोयल उपस्थित थे। शाखा अध्यक्ष रजनीकांत आचार्य ने बताया कि कार्यक्रम का वर्चुअल प्रसारण हुआ।

गुरुवन्दन छात्र अभिनन्दन दिशा निर्देश

गुरु पूर्णिमा के अवसर से भारत विकास परिषद् अपने संस्कार प्रकल्प के तहत गुरुवंदन छात्र अभिनंदन का शुभारंभ करता आया है, परंतु वर्तमान परिपेक्ष में इस प्रकल्प का मूल स्वरूप में आयोजन किया जाना संभव प्रतीत नहीं हो रहा है। अत: नवाचार करते हुए इस प्रकल्प को विद्यार्थियों के मध्य कैसे किया जाए इस पर मनन एवं चिंतन आवश्यक है। शाखा स्तर पर गुरु वंदन छात्र अभिनंदन के आयोजन हेतु इस वर्ष कुछ नवाचार किए जा रहे हैं–

प्रथमचरण–विद्यालय स्तर

1. यदि विद्यालय खुलते हैं और परिषद् परिवार का विद्यालय में जाना संभव होता है तो ऐसी परिस्थिति में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन का आयोजन पारंपरिक तरीके से किया जाएगा, जिस तरीके से हम पूर्व में करते आए हैं।

2. यदि विद्यालय खुलना संभव नहीं होता है तो गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन वर्चुअल माध्यम से किया जाना प्रस्तावित है। यह आयोजन निम्न प्रकार से किया जाएगा:–

अभी विद्यालयों में ऑनलाइन कक्षाएं चल रही है। अत: इस प्रकल्प को उन कक्षाओं के माध्यम से प्रत्येक विद्यालय/महाविद्यालय में गुरूवन्दन–छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजन के लिए निम्न रूपरेखा के अनुसार तैयारी करें। इसके 2 तरीके हो सकते हैं–

प्रथम– 1. प्रकल्प प्रमुख कस्बे के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की एक सूची तैयार करे, जहां ऑनलाइन कक्षाएं चल रही हैं उन संस्था प्रधानों से वार्ता कर ऑनलाइन कक्षाओं में संभावित दिनांक व निश्चित अवधि का समय परिषद के लिए तय कर कार्यक्रम करें। **2.** ऑनलाइन वार्ता में परिषद् की जानकारी के साथ–साथ 15 से 20 मिनट का वक्तव्य/बौद्धिक रखा जाना चाहिए। वक्ता परिषद का सदस्य अथवा बाहर का व्यक्ति भी हो सकता है। **3.** ऑनलाइन वार्ता में विद्यार्थियों के साथ आपसी बातचीत कर वार्ता को रुचिकर बनाया जाये। प्रेरक कहानियों एवं प्रसंगों के माध्यम से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया जाए।

द्वितीय–1. प्रांत द्वारा शाखाओं को गुरु वंदन छात्र अभिनंदन प्रकल्प की संपूर्ण जानकारी से संबंधित वीडियो प्रदान किए जाएंगे। **2.** प्रकल्प प्रमुख कस्बे के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की एक सूची तैयार करें, जहां ऑनलाइन कक्षाएं चल रही हैं उन संस्था प्रधानों से वार्ताकर ऑनलाइन कक्षाओं में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन प्रकल्प से संबंधित वीडियो दिखाये जाना सुनिश्चित करें। **3.** विद्यालय से यह भी निवेदन किया जाए कि विद्यालय प्रशासन, शिक्षा, संस्कृति, खेलकूद अथवा अन्य किसी विधा में पारंगत तीन श्रेष्ठ विद्यार्थियों का चयन कर उनका विवरण स्थानीय शाखा को निर्धारित प्रारूप में प्रेषित करें। **4.** स्थानीय शाखा के दायित्वधारियों एवं प्रभारी उन विद्यार्थी के घर जाकर उन्हें मोमेंटो, प्रमाण पत्र, भारत को जानो पुस्तक आदि प्रदान कर सम्मानित करें। **5.** कई स्थानों पर अध्यापक बंधुओं ने भी इस महामारी से लड़ने में अपना पूर्ण योगदान दिया है चाहे कॉविड सेंटर पर ड्यूटी देना हो या सर्वे में अपनी भूमिका निभानी हो, गुरु वंदन छात्र अभिनंदन प्रकल्प के तहत हम ऐसे गुरूओं का कोरोना योद्धा के रूप में उनके घर जाकर अभिनंदन एवं सम्मान करें। **6.** विद्यालयों में गुरुजन आ रहे हैं, सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते

हुए विद्यालयों में जाकर भी गुरुजनों को सम्मानित किया जा सकता है। **7.** विद्यालयों में विद्यार्थियों को मास्क वितरण की व्यवस्था के संदर्भ में सहयोग एवं कोरोना से बचाव के संदर्भ में प्रचार की व्यवस्था भी परिषद् के द्वारा की जाये।

द्वितीय चरण- शाखा स्तर - द्वितीय चरण में इस कार्यक्रम को एक विशेष तरीके से झूम एप्लीकेशन के माध्यम से शाखा क्षेत्र के सभी विद्यालयों को आमंत्रित करते हुए वर्चुअल आयोजित किया जाएगा। वर्चुअल कार्यक्रम एक घंटे का रहेगा और इस कार्यक्रम की संरचना व शाखानुसार तिथि का निर्धारण प्रांतीय संयोजक-गुरु वंदन छात्र अभिनंदन करेंगे। कार्यक्रम की तिथि एवं समय की सूचना प्रांतीय संयोजक द्वारा प्रेषित की जाएगी, साथ ही झूम एप्लीकेशन का लिंक भी प्रांत द्वारा दिया जाएगा। प्रत्येक शाखा द्वारा द्वितीय चरण में एक वर्चुअल कार्यक्रम में समस्त विद्यालयों को आमंत्रित करते हुए इस प्रकल्प के संदेश को सभी के मध्य रखा जाएगा।

वर्चुअल कार्यक्रम में अपेक्षित- 1. शाखा क्षेत्र के सभी विद्यालयों के श्रेष्ठ 3 विद्यार्थी, प्रधानाचार्य व एक वरिष्ठ शिक्षक। **2.** शाखा के मुख्य दायित्वधारी, सदस्य एवं गुरु वंदन प्रकल्प प्रभारी अनिवार्य। **3.** प्रांत से निर्धारित शाखा प्रभारी। **4.** संबंधित जिलाध्यक्ष / जिला सचिव / सह-संगठन मंत्री। **5.** प्रांतीय संयोजक।

द्वितीय चरण के वर्चुअल कार्यक्रम से पूर्व सभी विद्यालयों के चयनित विद्यार्थियों के मध्य गुरु शिष्य परंपरा विषय पर लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत सभी चयनित विद्यार्थियों से गुरु शिष्य परंपरा पर 500 शब्दों का लेख आमंत्रित किया जाएगा। विद्यार्थी लेख लिखकर स्थानीय शाखा के शाखा प्रभारी को निर्धारित व्हाट्सएप नंबर पर प्रेषित करेंगे। स्थानीय शाखा के दायित्वधारी व प्रभारी मिलकर द्वितीय चरण के कार्यक्रम से पूर्व विद्यार्थियों के लेखों में से प्रथम, द्वितीय व तृतीय लेखों का चयनकर प्रांतीय संयोजक बंधुओं को प्रेषित करेंगे। लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं के नामों की घोषणा वर्चुअल कार्यक्रम के समय की जाएगी। विजेता विद्यार्थियों को बैठक में अपनी बात रखने का अवसर प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

द्वितीय चरण के कार्यक्रम की तिथि और स्वरूप का निर्धारण प्रांत द्वारा किया जाएगा परंतु कार्यक्रम का संचालन एवं उपस्थिति सुनिश्चित करने का कार्य संबंधित शाखा का होगा। कार्यक्रम का संचालन-शाखा सचिव करेंगें व निर्धारित प्रारूप निम्न प्रकार रहेगा-

1. वंदेमातरम गायन 2. स्वागत व संक्षिप्त परिचय 3. परिषद् परिचय -शाखा के वरिष्ठ सदस्य द्वारा। 4. प्रकल्प की जानकारी-प्रांत द्वारा आमंत्रित मुख्य वक्ता द्वारा। 5. विद्यार्थी वार्ता 6. विद्यालय व विद्यार्थियों का परिचय व सम्मान- शाखा के गुरु वंदन प्रभारी द्वारा। 7. नशामुक्ति शपथ - शाखा के प्रांतीय प्रभारी द्वारा। 8. आभार- शाखा अध्यक्ष द्वारा। 9. राष्ट्रगान

तृतीय चरण-प्रांतस्तर - गुरु वंदन छात्र अभिनंदन के तृतीय चरण में शिक्षक दिवस 5 सितंबर 2021 के दिन प्रांत स्तरीय शिक्षक सम्मान के अंतर्गत प्रांत की शाखाओं में जो शिक्षक सदस्य हैं उनका सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

शिवदयाल अरोड़ा
प्रान्तीय संयोजक
9460353645

सीएमए ज्योति माहेश्वरी
प्रान्तीय सह संयोजिका
9252379499

प्रान्त स्तरीय ऑनलाईन भारत को जानो प्रतियोगिता
दिशा निर्देश

प्रांतस्तरीय ऑनलाइन भारत को जानो प्रतियोगिता तीन चरण में आयोजित होगी:-

प्रथम-विद्यालय स्तर पर मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से (20 अगस्त तक होना अनिवार्य)

द्वितीय-शाखा स्तर पर मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से (31 अगस्त तक होना अनिवार्य)

तृतीय-प्रांत स्तर पर मोबाइल एप्लीकेशन एवं लाइव एप्लीकेशन के माध्यम से आयोजित होगी। (12 सितम्बर 2021 तक होना अनिवार्य)

परिषद् परिवार प्रतियोगिता (10 सितम्बर 2021 तक होना अनिवार्य)

विद्यालय स्तर प्रतियोगिता - शाखा के भारत को जानो प्रतियोगिता के प्रकल्प प्रमुख कस्बे के विद्यालयों की एक सूची तैयार करे, जहां ऑनलाइन भारत को जानो प्रतियोगिता की मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से प्रतियोगिता कराई जानी है। गत वर्ष के विद्यालयों की सूची और नए विद्यालय को जोड़ते हुए मोबाइल एप्लीकेशन पर सभी विद्यालयों का एक डाटा बैंक तैयार किया जाएगा। अभी विद्यालयों में ऑनलाइन कक्षाएं चल रही हैं। अत: प्रकल्प प्रमुख संस्था प्रधानों से बातकर अधिकतर विद्यार्थियों को भाग लेने के लिए प्रेरित करे। विभिन्न विद्यालयों के ग्रुप और विद्यार्थियों के ग्रुप में मैसेज के माध्यम से प्रचार कर इस प्रतियोगिता को अधिक से अधिक विद्यार्थियों के मध्य कराया जा सकता है।

विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता के नियम- **1.** कनिष्ठ वर्ग (कक्षा 6 से 8 तक) एवं वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9 से 12 तक) के रूप में दो वर्गों में आयोजित होगी। **2.** प्रत्येक विद्यार्थी को लिंक के माध्यम से अथवा गूगल प्ले स्टोर से राजस्थान मध्य प्रांत 'भारत को जानो प्रतियोगिता' की मोबाइल एप्लीकेशन को डाउनलोड करना होगा। **3.** मोबाइल एप्लीकेशन पर प्रत्येक विद्यार्थी को अपना पंजीयन करना होगा। **4.** पंजीयन के लिए- सर्वप्रथम विद्यार्थी को अपने विद्यालय का नाम, उसके बाद विद्यार्थी को अपना नाम, कक्षा, मोबाइल नंबर और स्वयं का फोटो अपलोड करना होगा। **5.** एक शाखा के सभी विद्यालयों की प्रतियोगिता एक ही दिन में एक निश्चित समय अवधि के ब्लॉक पीरियड में आयोजित की जाएगी। **6.** प्रतियोगिता की समय सीमा कुल आधा घंटा रहेगी, जिसके समय प्रारंभ होते ही प्रश्न मोबाइल एप्लीकेशन पर आ जाएंगे। **7.** प्रश्न पत्र में कुल 50 वैकल्पिक प्रश्न होंगे और प्रत्येक प्रश्न के लिए समय सीमा 20 सेकंड की रहेगी। **8.** प्रश्न भारत को जानो पुस्तक और समसामयिक आधार पर होंगे। **9.** सही अथवा गलत उत्तर देने अथवा 20 सेकंड की समय सीमा समाप्त होने पर स्वत: ही अगला प्रश्न आ जाएगा। **10.** अगला प्रश्न प्रदर्शित होने के बाद किसी भी कारण से प्रतियोगी पिछला प्रश्न नहीं देख पाएंगे। **11.** सही उत्तर देने पर प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक मिलेंगे। **12.** अंतिम प्रश्न अर्थात 50 वें प्रश्न के उत्तर के बाद आपको परिणाम हेतु सबमिट बटन को दबाकर सबमिट करना होगा। **13.** प्रतियोगिता में किसी भी समय लोग आउट होने अथवा सबमिट करने के बाद प्रतियोगी पुन: प्रतियोगिता प्रारंभ नहीं कर पाएगा। **14.** सबमिट करते ही आपका प्रतियोगिता

परिणाम प्राप्तांक के साथ आपको प्रदर्शित हो जाएगा, जिसका स्क्रीन शॉट आप ले लेवें।

15. 30 मिनट की अवधि के बाद सबमिट की गई, उत्तर पुस्तिका स्वीकार्य नहीं होगी। **16.** सभी विद्यालयों से भाग लेने वाले प्रतियोगियों का संकलित परिणाम प्रांतीय संयोजक के पास तुरंत आ जाएगा, जिसमें से प्रत्येक विद्यालय के प्रथम व द्वितीय प्रतियोगी का विवरण शाखा को भेज दिया जाएगा और शाखा द्वारा परिणाम की घोषणा की जाएगी व विद्यालय को सुचना दी जायेगी। **17.** एक से अधिक प्रतियोगी के समान अंक आने की स्थिति में जिस प्रतियोगी ने पहले उत्तर सबमिट किए हैं उस विद्यार्थी के चयन की प्राथमिकता रहेगी। **18.** विद्यालय स्तर के प्रथम एवं द्वितीय विजेता को शाखा द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही दोनों प्रतियोगी द्वितीय स्तर- शाखा स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करेंगे। **19.** प्रतियोगिता में उत्तर देने हेतु अन्य किसी भी साधन का प्रयोग वर्जित रहेगा। **20.** किसी भी विवाद की स्थिति में प्रांतीय संयोजक एवं निर्णायक मंडल का निर्णय ही सर्वमान्य होगा। **भारत को जानो प्रतियोगिता के प्रमाण-पत्र निर्धारित मूल्य पर प्रान्तीय कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं।**

शाखा स्तरीय प्रतियोगिता- द्वितीय चरण की प्रतियोगिता में विद्यालय स्तर पर विजेता व उपविजेता प्रतियोगी भाग लेंगे। यह प्रतियोगिता भी मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से शाखा स्तर पर आयोजित होगी। विजेता एवं उपविजेता को शाखा के द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा। शाखा स्तर पर प्रथम आने वाला दल प्रांत स्तर की मोबाइल एवं लाइव एप्लीकेशन की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए क्वालीफाई करेगा।

प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता - प्रत्येक शाखा का विजेता दल प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगा। प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता दो चरण में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। प्रथम चरण में मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से एवं द्वितीय चरण में लाइव एप्लीकेशन के माध्यम से आयोजित होगी और दोनों प्रतियोगिताओं के संयुक्त अंकों के आधार पर प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की जाएगी। प्रांत स्तर के कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग के विजेता एवं उपविजेता को प्रांत के द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा।

परिषद परिवार प्रतियोगिता- तृतीय वर्ग में परिषद परिवार के किसी भी आयु के सदस्य भाग ले सकते हैं, परन्तु जिन विद्यार्थियों ने विद्यालय स्तर की प्रतियोगिता में भाग ले लिया है अथवा कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थी हैं, वह विद्यार्थी परिषद् परिवार वर्ग में भाग नहीं ले पायेंगें।

डॉ. हरीश बेरी
प्रान्तीय संयोजक
9828254282

सुमित जागेटिया
प्रान्तीय सह संयोजक
9414110770

भारत को जानो प्रतियोगिता

एकल गीत ऑनलाईन प्रतियोगिता दिशा निर्देश

एकल गीत ऑनलाईन प्रतियोगिता के तीन चरण होंगे –

1. शाखा स्तर पर रिकॉर्डेड वीडियो से निर्णय (20 सितम्बर 2021 तक अनिवार्य)
2. जिला स्तरीय रिकॉर्डेड वीडियो से निर्णय (24 सितम्बर 2021)
3. प्रान्त स्तरीय ऑनलाईन लाईव प्रतियोगिता से विजेताओं का निर्णय। (30 सितम्बर 2021)

शाखा स्तरीय प्रतियोगिता – शाखा के प्रकल्प प्रमुख कस्बे के विद्यालयों की एक सूची तैयार करें, जहां राष्ट्रीय एकल गीत प्रतियोगिता कराई जानी है। गत वर्ष के विद्यालयों की सूची और नए विद्यालय को जोड़ते हुए सभी विद्यालयों का एक डाटा बैंक तैयार किया जाये। अभी विद्यालयों में ऑनलाइन कक्षाएं चल रही है। अतः प्रकल्प प्रमुख, संस्था प्रधानों से बात कर अधिकतर विद्यार्थियों को भाग लेने के लिए प्रेरित करें। विभिन्न विद्यालयों के ग्रुप और विद्यार्थियों के ग्रुप में मैसेज के माध्यम से प्रचार कर इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक विद्यालयों को जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

शाखा स्तरीय प्रतियोगिता के नियम–

प्रतियोगी कौन ?

प्रथम चरण में इस कार्यक्रम का आयोजन शाखा स्तर पर तीन वर्गों में होगा।

(क) कनिष्ठ वर्ग (कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थी) **(ख)** वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी) **(ग)** परिषद् परिवार के सदस्य (स्कूल के विद्यार्थी होने की स्थिति में कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग में विभाजित किये जाएंगे।)

संगीत विद्यालयों के विद्यार्थियों का भाग लेना वर्जित है।

प्रतियोगिता का स्वरूप एवं नियम – **1.** परिषद् द्वारा अनुमोदित पुस्तिका राष्ट्रीय चेतना के स्वर में से ही गीत का चयन करके हिन्दी भाषा में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। यह पुस्तक परिषद् की वेबसाइट www.bvpindia.com पर उपलब्ध है। **2.** प्रतिभागी को 3 से 5 मिनट में पूरे गीत का गायन करना होगा। **3.** गीत गायन के समय किसी भी वाद्य यंत्रों का प्रयोग वर्जित होगा। **4.** प्रस्तुति का रिकॉर्डेड वीडियो शाखा के प्रकल्प प्रमुख को भेजा जाएगा। वीडियो उच्च क्वालिटी का होना चाहिए। समय सीमा का उल्लंघन करने पर प्राप्त अंकों के योग में से 5 अंक काट लिए जाएंगे।

5. रिकॉर्डेड विडियो में कोविड–19 के अन्तर्गत बरती जाने वाली सावधानियों का पूरा ध्यान रखा जाए। **6.** प्रतियोगी को एक स्थान पर खड़े होकर प्रस्तुति देनी है, स्थान बदलने की अनुमति नहीं है। अंग संचलन और हाव–भाव प्रदर्शन की अनुमति है। **7.** निर्णायकों द्वारा 100 में से अंक दिए जाएंगे। 20 अंक गीत संयोजन, 20 अंक स्वर, 20 अंक लय, 20 उच्चारण एवं 20 प्रस्तुतिकरण के। शास्त्रीय संगीत से प्रेरित रचनाएं अधिक अच्छी समझी जाएंगी। **8.** प्रतिभागी को प्रतियोगिता में भाग लेते समय किसी भी प्रकार की वेश–भूषा पहनने की अनुमति है, परन्तु विद्यालय का बैज/बैल्ट, संकेत चिन्ह आदि का प्रयोग करना वर्जित है।

9. गीत प्रस्तुतिकरण से पूर्व भूमिका रखने की अनुमति नहीं है। 10. प्रस्तुतिकरण के समय प्रतिभागी द्वारा अपने विद्यालय का नाम बताना वर्जित होगा। 11. निर्णायक मंडल में अनुभवी संगीतज्ञ, कला विशेषज्ञ व भाषाविद् होंगे। तीन निर्णायकों का चयन शाखा के दायित्वधारी करेंगे। निर्णायक मंडल के सदस्य परिषद् के बाहर के हों तो बेहतर होगा। निर्णायकों का निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा। 12. संयोजन समिति को राष्ट्रीय एकल गीत ऑनलाईन प्रतियोगिता से संबंधित किसी भी विषय में निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार होगा। 13. शाखा स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहने वाले प्रतिभागी को शाखा द्वारा पुरस्कृत कर प्रमाण-पत्र दिया जायेगा। तीनों वर्गों के प्रथम रहने वाले प्रतिभागी के वीडियो क्लिप प्रत्येक शाखा से प्रान्त को भेजने होंगे। अगर किसी कारणवश प्रथम स्थान पाने वाले प्रतिभागी भाग नहीं ले पाते हैं तो द्वितीय स्थान पाने वाला प्रतिभागी भाग ले सकेगा। परंतु इसकी अनुमति संयोजक से पहले ही लेनी होगी। 14. यदि किसी कारणवश किसी प्रतियोगी का विडियो डाउनलोड नहीं होता है तो आयोजक जिम्मेदार नहीं होगा।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता के नियम- 1. जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भिन्न भिन्न शाखाओं से आये हुए विजेता प्रतिभागियों में से भी तीनों वर्गों के प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेता का चुनाव निर्णायक मंडल के सहयोग से किया जायेगा। 2. जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले तीनों वर्गों के प्रतिभागी प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। 3. यदि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 3 या 3 से कम शाखाएँ प्रतिभागी होंगी तो ऐसी स्थिति में जिला स्तरीय प्रतियोगिता ना होकर उस जिले के सभी प्रतिभागी सीधे प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता के नियम- 1. प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता ऑनलाईन लाईव आयोजित की जाएगी। 2. प्रतियोगिता के कुछ समय पूर्व सभी प्रतिभागियों के क्रम का निर्णय ड्रा द्वारा लिया जायेगा। 3. प्रांत स्तरीय ऑनलाइन लाइव प्रतियोगिता के भाग लेने की तैयारी, नेटवर्क उपलब्धता आदि के लिए समस्त व्यवस्था प्रतिभागी को अपने स्तर पर करनी होगी। संबंधित शाखा सहयोग करेगी। 4. प्रांत स्तरीय ऑनलाइन लाइव प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में अनुभवी संगीतज्ञ कला विशेषज्ञ व भाषाविद् होंगे। 5. प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र दिया जायेगा। 6. प्रान्त स्तरीय लाइव प्रतियोगिता से संबंधित सारे नियम एवं प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रतियोगिता से पूर्व दे दी जाएगी। 7. संयोजक का निर्णय अंतिम और सर्वमान्य होगा।

हमारे लिए एक चुनौती है कि इस परिस्थिति में भी हम ऑनलाइन या अन्य किसी माध्यम से संस्कारवान भारत के निर्माण के लक्ष्य और हमारे विचारों को किस तरह विद्यार्थी और युवा वर्ग के मध्य ले जा सकें। शाखा स्तर पर अधिक से अधिक विद्यालयों में यह प्रतियोगिता आयोजित करवा कर इस प्रकल्प को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

ऑनलाईन एकल राजस्थानी लोकनृत्य प्रतियोगिता दिशा निर्देश

एकल राजस्थानी लोकनृत्य प्रतियोगिता के तीन चरण निम्नानुसार होंगे –

1. शाखा स्तर पर 2. जिला स्तर पर 3. प्रान्त स्तर पर

प्रतियोगिता निम्न वर्गों में आयोजित होगी–

1. कनिष्ठ वर्ग (कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थी) 2. वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी) 3. परिषद् परिवार के सदस्य (स्कूल के विद्यार्थी होने की स्थिति में कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग में विभाजित किये जाएंगे।)

1. प्रतिभागियों को भारत विकास परिषद् राजस्थान मध्य प्रान्त की वेबसाईट www.bvprajcentral.org पर उपलब्ध पुस्तिका 'रंगीलो राजस्थान' में से ही गीत का चयन करते हुए गैर फिल्मी पारंपरिक लोकनृत्य पर प्रस्तुति देनी होगी। **3.** प्रतिभागी को एकल लोक नृत्य हेतु अधिकतम 3 मिनट (विडियो अधिकतम 100 एमबी) का समय मिलेगा। **4.** प्रतियोगिता हेतु प्रत्येक प्रतिभागी का एक ही वीडियो मान्य होगा। **5.** वीडियो बिना किसी एडिटिंग के निरंतर होना चाहिए। **6.** वीडियो में पर्याप्त प्रकाश होना चाहिए तथा संगीत स्पष्ट होना चाहिए।

7. निर्णायकों द्वारा 20 अंक ताल, 20 अंक भाव भंगिमा, 20 अंक वेशभूषा, 20 अंक संगीत संरचना तथा 20 अंक समग्र प्रस्तुति के होंगे। कुल पूर्णांक 100 रहेगा। **8.** नृत्य प्रस्तुतिकरण से पूर्व भूमिका रखने की अनुमति नहीं होगी। **9.** प्रस्तुतिकरण के समय प्रतिभागी द्वारा अपने विद्यालय एवं शाखा का नाम बताना वर्जित होगा। **10.** वीडियो में नृत्य प्रस्तुति मंच की गरिमा के अनुरूप होनी चाहिए। **11.** नृत्य प्रस्तुति का रिकॉर्डिंग वीडियो प्रान्त के एप पर अपलोड करना होगा। **12.** निर्णायक मंडल में अनुभवी नृत्य कला विशेषज्ञ होंगे। **13.** निर्णायकों का निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा एवं सर्वाधिकार राजस्थान मध्य प्रान्त के पास सुरक्षित रहेंगे। **14.** शाखा स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को शाखा द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा एवं प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। **15.** प्रत्येक शाखा द्वारा प्रत्येक वर्ग में प्रथम आने वाले प्रतिभागी का वीडियो जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए प्रांत को भेजा जाएगा। **16.** प्रत्येक वर्ग में जिला स्तर पर प्रथम आने वाले प्रतिभागी को प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता के लिए आगे भेजा जाएगा।

अरुण बाहेती
प्रान्तीय संयोजक
9785059995

डी.सी.जैन
प्रान्तीय सह संयोजक
9460242727

श्रध्दांजली

श्री सुशील कुमार जी तोषनीवाल
शाखा वीर शिवाजी, भीलवाड़ा
स्वर्गवास-22.04.2021

श्रीमति उषा जी राणावत,
धर्मपत्नी गोविंद जी राणावत,
महाराणा प्रताप शाखा
स्वर्गवास-25.4.2021.

श्रीमती सरोज जी गर्ग,
धर्मपत्नी श्रीमनोज जी गर्ग,
महाराणा प्रताप शाखा
स्वर्गवास-28.4.2021

श्री रवि जी सारस्वत
शाखा - अजमेर मुख्य
स्वर्गवास- 28.04.2021

श्री रमेश चंद जी अग्रवाल
शाखा- किशनगढ़ मुख्य
स्वर्गवास- 29.04.2021

श्री सुरेश कुमार जी बाहेती
नेताजी सुभाष शाखा भीलवाड़ा
स्वर्गवास- 30.04.2021

श्री मुरलीधर जी गर्ग
शाखा-किशनगढ़ मुख्य
स्वर्गवास-06.05.2021

श्रीमती कान्ता जी अग्रवाल
शाखा- अजमेर मुख्य
स्वर्गवास-07.05.2021

श्रीमती लक्ष्मी जी लखोटिया
पति-सुनील जी लखोटिया
शाखा-राजसमंद, स्वर्गवास-14.05.21

श्री अमित जी लोहिया
शाखा- राजसमंद
स्वर्गवास-02.06.2021

श्री भागीरथ जी हेडा
शाखा-ब्यावर, दायित्व:पूर्व शाखाध्यक्ष
स्वर्गवास-04.06.2021

मरणोपरान्त नैत्रदान
श्रीमती सुदर्शना सोमानी धर्मपत्नी
श्री वासुदेव जी सोमानी

विकास रत्न सम्मान

बिजयनगर दायित्व ग्रहण

रक्त वाहिनी संचालन ब्यावर

बान्दनवाड़ा रक्तदान शिविर

विवेकानन्द फिजियोथेरेपी सेन्टर शुभारम्भ

संस्कार सरिता विमोचन

राजसमन्द द्वारा ऑक्सिजन कंसंट्रेटर भेंट

आमेट चिकित्सालय में उपकरण भेंट

प्रताप भीलवाड़ा द्वारा परिण्डा वितरण

शाहपुरा अभिरुचि शिविर

प्रान्तीय कार्यालय -

महासचिव - सीए संदीप बाल्दी

306, गोविन्दम् , संदीप हुण्डई के पास, **भीलवाड़ा** - 311001 (राज.)

मोबाईल नं. **98298 51444** Mail - baldisandeep@gmail.com